UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

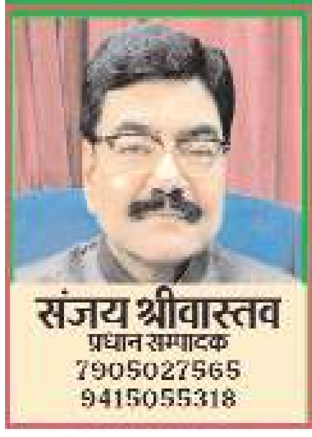

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-200 | कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में | उरई (जालौन) शुक्रवार 03 जुलाई 2026 | youngbharatE-paper.com

यूपी में लागू हुआ 'वीबी-जी राम जी' एक्टः मनरेगा का दौर खत्म, अब मजदूरों को हर दिन मिलेंगे कम से कम इतने रुपये

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश समेत पूरे देश की ग्रामीण रोजगार व्यवस्था में 1 जुलाई 2026 से एक ऐतिहासिक और बेहद क्रांतिकारी बदलाव लागू हो गया है। केंद्र सरकार ने करीब दो दशकों से ग्रामीण भारत की रीढ़ रहे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को पूरी तरह समाप्त कर दिया है।

अब इसकी जगह 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण' यानी वीबी-जी राम जी योजना को आधिकारिक तौर पर देश में लागू कर दिया गया है। इस नए कानून के तहत अब उत्तर प्रदेश के ग्रामीण मजदूरों को हर साल 125 दिनों की रोजगार गारंटी मिलेगी। इसके साथ ही सूबे की योगी सरकार ने राज्य में न्यूनतम मजदूरी 300 रुपये प्रतिदिन तय करते हुए बढ़ी हुई राशि के भुगतान के पुख्ता इंतजाम कर लिए हैं। उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी ग्रामीण आबादी वाला राज्य है, जहां लाखों परिवार अपनी आजीविका के लिए सरकारी रोजगार योजनाओं पर निर्भर हैं। 'वीबी-जी राम जी' एक्ट लागू होने से यूपी के ग्रामीण परिवारों की तकदीर बदलने वाली है। इस नई व्यवस्था के तहत अब तक मिलने वाले 100 दिनों के रोजगार को बढ़ाकर सीधे 125 दिन कर दिया गया है। बड़ा बदलाव मजदूरी की दरों में भी हुआ है। अब उत्तर प्रदेश में किसी भी मजदूर को 300 रुपये प्रतिदिन से कम मजदूरी नहीं दी जाएगी। राष्ट्रीय स्तर पर भी औसत मजदूरी को 298.8 रुपये से बढ़ाकर 327.4 रुपये प्रतिदिन कर दिया गया है। योगी सरकार ने इस बढ़ी हुई मजदूरी का समय पर भुगतान करने के लिए बजट और प्रशासनिक स्तर पर सभी प्रबंध पहले ही पूरे कर लिए हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को तत्काल मजबूती मिलेगी। मनरेगा के मुकाबले इस नई योजना में सबसे बड़ा और तकनीकी बदलाव कार्यप्रणाली को लेकर किया गया है। पहले जहां स्थानीय स्तर पर केवल मजदूरों की मांग के आधार पर काम स्वीकृत कर दिए जाते थे, वहीं अब पूरी प्रक्रिया वैज्ञानिक और हाईटेक होगी। अब उत्तर प्रदेश के गांवों में सैटेलाइट डेटा, डिजिटल भूमि रिकॉर्ड और स्थानीय बुनियादी ढांचे की वास्तविक जरूरतों का विश्लेषण किया जाएगा। इसके बाद जियोस्पेशियल प्लानिंग के जरिए बेहद वैज्ञानिक तरीके से विकास योजनाएं तैयार होंगी। इन्हीं पहले से तैयार मास्टर प्लान के आधार पर ही सरकारी धन का आवंटन होगा और यह तय किया जाएगा कि किस गांव में कौन सा काम कराया जाना है। योजना में पूरी तरह पारदर्शिता लाने और कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए योगी सरकार डिजिटल टूल्स का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने जा रही है। अब यूपी के गांवों में होने वाले हर छोटे-बड़े विकास कार्य की योजना और उसकी लाइव निगरानी जीआईएस मैपिंग, सैटेलाइट इमेजरी और डिजिटल प्लानिंग टूल्स के माध्यम से की जाएगी। इससे कार्यों में होने वाले फर्जीवाड़े और भ्रष्टाचार पर पूरी तरह लगाम लगेगी। इस एक्ट के तहत अब केवल कागजी काम नहीं होंगे, बल्कि उन परियोजनाओं को प्राथमिकता मिलेगी जो ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर को हमेशा के लिए मजबूत करें। इनमें मुख्य रूप से ग्रामीण संपर्क मार्ग (सड़क निर्माण), आधुनिक सिंचाई व्यवस्था, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थायी सामुदायिक भवनों का निर्माण शामिल है। 'वीबी-जी राम जी' मिशन की एक और बड़ी खासियत यह है कि इसके तहत विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं को आपस में जोड़कर (कन्वर्जेंस) काम किया जा सकेगा। पहले अक्सर देखा जाता था कि एक ही जगह पर अलग-अलग विभागों द्वारा बार-बार काम कराया जाता था, जिससे सरकारी संसाधनों और धन की बर्बादी होती थी। अब नई व्यवस्था में सभी ग्रामीण विभागों की योजनाएं एक साथ मिलकर चलेंगी, जिससे कार्यों का दोहराव रुकेगा, सरकारी संसाधनों का शत-प्रतिशत सही उपयोग होगा

लखनऊ पुलिस ने फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया, 119 लोग हिरासत में

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। एक जुलाई (भाषा) लखनऊ के विभूति खंड क्षेत्र में पुलिस ने बुधवार को एक फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए 119 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक विभूति खंड थाना क्षेत्र स्थित समिट बिल्डिंग की 11वीं मंजिल पर बने दफ्तरों से संचालित किये जा रहे इस फर्जी कॉल सेंटर से जालसाज देश-विदेश में ठगी करते थे। उन्होंने बताया कि वह ऑनलाइन शॉपिंग साइट से रिफंड दिलाने के नाम पर साइबर ठगी करते थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह छापेमारी लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की साइबर प्रकोष्ठ और साइबर थाने की संयुक्त टीम ने की। उन्होंने बताया कि यह कॉल सेंटर मुख्य रूप से रात में काम करता था और कथित तौर पर 'डॉलर ऐप' का इस्तेमाल करके तकनीकी धोखाधड़ी और तरह-तरह के लालच देकर लोगों को ठगता था।

पुलिस ने एक बयान में कहा कि छापेमारी के दौरान 119 लोगों को हिरासत में लिया गया। बयान के मुताबिक, ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने 100 लैपटॉप, कॉलिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले 178 मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सुबूत जब्त किए और शुरुआती जांच से पता चला है कि यह कॉल सेंटर 'सोलारिस सॉल्यूशन' नाम से संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि इस फर्जी कॉल सेंटर के संचालक प्रबंधकों अहमदाबाद निवासी ललित खैराजानी और विक्रम सिंह परमार को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

सुर्खियां.............

युवक की आत्महत्या मामला,मृतक की पत्नी ने पति की षड्यंत्र के तहत हत्या करने का लगाया आरोप

जालौन-उरई। पिछले माह पूर्व मंत्री व राज्यसभा सांसद श्रीराम पाल के भतीजे का शव बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के पास स्थित खेत में नीम के नीचे पेड़ मिला था। मृतक की पत्नी ने पति की षड्यंत्र के तहत हत्या करने का आरोप लगाते हुए सीओ को शिकायती पत्र देकर जांच कराकर कार्रवाही की मांग की है।

घर में निकले साँप को वन विभाग की टीम ने जंगल में छोड़ा

जालौन-उरई। घर में सांप निकलने पर हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने सांप निकलने की सूचना वन विभाग को दी। मौके पर पहुचीं वन विभाग की टीम ने सांप को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया।

तहसील क्षेत्र के ग्राम हरक्का में गुरूवार की सुबह माधुरी देवी के यहां एक काला सर्प निकल आया। घर में सांप को देखकर हड़कंप मच गया। वहां ग्रामीणों ने भीड़ जुट गई। किसी ने सांप निकलने की सूचना वन विभाग को दी। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम से वन दरोगा संजीव अवस्थी, वन रक्षक जितेंद्र कुमार, दयाशंकर व तालिब ने रेस्क्यू ऑपरेशन कर घर से सांप को बाहर निकालकर पकड़ा और उसे जंगल में छोड़ दिया।

नगर के पीपीएस अधिकारी मधुवन बने आईपीएस

कोंच पीपीएस अधिकारी मधुवन कुमार सिंह को आईपीएस में प्रोन्नत किए जाने पर गृह नगर कोंच में उल्लास और खुशी का माहौल है। लोग उनके पिता और बड़े भाई को बधाइयां देने उनके निवास पर पहुंच रहे हैं। बता दें कि नगर के पटेल नगर ब्रजेश्वरी कालोनी निवासी मथुरा प्रसाद महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह के मंझले पुत्र मधुवन कुमार सिंह का चयन पीपीएस में हुआ था। 2000 बैच के पीपीएस अफसर मधुवन ने ईमानदारी और निष्ठा से राष्ट्र की सेवा करते हुए आज वह मुकाम हासिल कर लिया जिसकी ख्वाहिश उन्होंने की होगी।

प्रोफेसर को युवती ने पीटा, सेक्स की डिमांड करने का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

जिले में शासकीय महाविद्यालय के एक प्रोफेसर पर पड़ोस में रहने वाली युवती ने अश्लील मैसेज भेजने और संबंध बनाने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। नाराज युवती अपने होने वाले पति के साथ कॉलेज पहुंची और प्रोफेसर की पिटाई कर दी। उसने कहा कि, तुम्हारे घर को मैं पूरी तरह नोंच कर रख दूंगी। मैं शादी करने वाली हूं और तुम मुझे लूटोगे। इस दौरान प्रोफेसर की पत्नी मांफी मांगती भी नजर आई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, शासकीय महाविद्यालय कुंजारा, लैलूंगा में पदस्थ प्रोफेसर रेमन भार्गव पर पड़ोसी युवती ने व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिए अश्लील संदेश भेजने का आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि प्रोफेसर पिछले करीब डेढ़ साल से लगातार आपत्तिजनक मैसेज भेजकर उसे परेशान कर रहा था और संबंध बनाने का दबाव डाल रहा था। नाराज युवती अपने होने वाले पति के साथ कॉलेज पहुंची। वहां दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद युवती ने प्रोफेसर को थप्पड़ मार दिए। इस दौरान मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। युवती ने बताया कि, प्रोफेसर रेमन भार्गव जबरदस्ती वॉट्सअप और टेलीग्राम पर गंदी-गंदी मैसेज भेजते थे। गलत काम करने और जबरदस्ती बात करने के लिए फोर्स करते थे। उसने कहा कि, ऐसे प्रताड़ित लड़कियां मेरे सपोर्ट में आए। मानसिक प्रताड़ना झेल रहे चुकी लड़कियां मेरे साथ आए। जिससे लड़ाई आगे जारी रख सके। मुझे न्याय नहीं मिला, तो आगे की कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी। इस प्रोफेसर को जेल भेजना है। इस मामले में लैलूंगा थाना प्रभारी गिरधारी साव ने बताया कि, युवती ने प्रोफेसर के खिलाफ शिकायत की थी। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया।जिसके बाद मामले में आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई।

गौ भक्त सरकार में गाय के साथ भीषण बेरह्मी

क्रूरता की हदें पार कर गाय को बेरहमी से पीटकर किया मरणासन्न। कुल्हाड़ी से बेबस गाय के काट डाले पैर?

(यंग भारत न्यूज)

रामपुराः- थाना क्षेत्र के नगर पंचायत ऊमरी में एक गाय के साथ कथित रूप से की गई क्रूरता का मामला सामने आया है। पीड़ित पशुपालक ने थाना रामपुरा में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ऊमरी निवासी रोहित पुत्र सुरेश चंद्र ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी पालतू गाय 25 जून 2026 को रोजाना की तरह चरने के लिए गई थी। चरते-चरते वह कथित रूप से गांव निवासी डालचंद्र के खेत में पहुंच गई। आरोप है कि इससे नाराज होकर डालचंद्र ने गाय को बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया और मारते-मारते उसे उसके घर तक ले आया। पीड़ित का आरोप है कि घर के बाहर आरोपी ने गाय के पिछले पैर पर कुल्हाड़ी से वार किया, जिससे उसका पैर गंभीर रूप से घायल होकर कट गया। इतना ही नहीं, आरोपी पर गाय के गुप्तांग में लाठी डालने का भी आरोप लगाया गया है। इस घटना में गाय गंभीर रूप से घायल होकर मरणासन्न अवस्था में पहुंच गई है।घटना के बाद पीड़ित ने थाना रामपुरा पहुंचकर लिखित तहरीर दी और आरोपी के खिलाफ पशु क्रूरता सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। रामपुरा थाना पुलिस ने उक्त संदर्भ में बीएनएस की धारा 325 एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी है इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक शिव प्रकाश सिंह का कहना है कि प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आईएएस रिंकू सिंह के तबादले से आया जन चर्चाओं में उफान, धन्ना सेठ खुश, आम आदमी नाराज

जालौन नगर के भूमाफिया धन्ना सेठों ने 'कोल्ड स्टोरेज में धक्का मुक्की का ले लिया बहाना, उनका मकसद था मुझे पद से हटाना-रिंकू सिंह

- नगर जालौन के कीमती गाटा सं0 892 नजूल है पूरे बवाल की जड़ में
- जांच अधिकारी एडीएम को भेजा रिंकू सिंह ने अपनी घेरे बन्दी का पूरा सच
- जॉइंट मजिस्ट्रेट ने अपने ऊपर ब्लॉक प्रमुख को धमकी देने, जांच प्रभावित करने के लगाए आरोपों को नकारा
- कहा- आत्मरक्षा में हटाया मोबाइल, गनर को कार्यालय भेजना मेरी बड़ी भूल
- पांच कोल्ड स्टोरेज की जल्दबाजी में जांच स्वीकार करना बताया अपनी भूल

आईएएस रिंकू सिंह के तबादले के पीछे का सच खोलती 'यंग भारत की रिपोर्ट

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद के जालौन परगना से मात्र 45 दिन में हटाए गए आईएएस रिंकू सिंह ने अपने खिलाफ जालौन में बने गए ताने बाने (षणयंत्र) को बेनकाब करते अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जांच अधिकारी को विस्तृत लिखित स्पष्टीकरण देते हुए बताया कि 30 जून 2026 को भेजे गए अपने जवाब में उन्होंने दावा किया कि बेतवा कोल्ड स्टोरेज के सत्यापन को प्रभावित करने के लिए सुनियोजित षड्यंत्र रचा गया और उन्हें विवाद में फंसाने का प्रयास किया गया।

राही ने बताया कि 22 जून को गठित समिति को 23 जून को पांच कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण करना था। समिति के सदस्यों ने बताया कि उनका वेतन रुका हुआ है, इसलिए एक ही दिन में सभी निरीक्षण पूरे करने का दबाव था। निरीक्षण के दौरान बेतवा कोल्ड स्टोरेज पहुंचने पर वहां ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन मिले, जिनसे आवश्यक दस्तावेज मांगे गए। उन्होंने दस्तावेज लाने के लिए कुछ समय मांगा, जबकि इसी बीच निरीक्षण संबंधी मार्गदर्शिका तहसील कार्यालय में छूट जाने के कारण राही ने अपने गनर को उसे लाने भेज दिया। अपने स्पष्टीकरण में राही ने आरोप लगाया कि इस दौरान ब्लॉक प्रमुख ने कोल्ड स्टोरेज को एक मंत्री से जुड़ा बताते हुए कार्यालय में बैठकर मुझसे 'हिसाब-किताब' करने जैसी बातें कहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी भी प्रकार के लेन-देन को विधि विरुद्ध बताते हुए अस्वीकार कर दिया और केवल नियमानुसार दस्तावेज प्रस्तुत करने की बात कही।

राही के अनुसार, निरीक्षण के दौरान अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने फायर सेफ्टी व्यवस्था का परीक्षण किया, जिसमें कुछ कमियां मिलने पर सुधार के लिए 15 दिन का समय देने का निर्णय लिया गया। इसी दौरान उन्हें कार्यालय के भीतर जाकर दस्तावेज देखने का दबाव बनाया गया, लेकिन उन्होंने पारदर्शिता बनाए रखने के लिए खुले स्थान पर ही दस्तावेज दिखाने का आग्रह किया। अपने पत्र में उन्होंने यह भी लिखा कि निरीक्षण के दौरान उन्हें धमकी, प्रलोभन और ऐसी कई बातें सुनने को मिलीं, जिनका खुलासा करने पर ब्लॉक प्रमुख के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करानी पड़ सकती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीसीटीवी फुटेज मिटाने तथा स्थानीय स्तर पर उनके खिलाफ कोई गवाही न देने जैसी बातें भी कही गईं। स्थिति को देखते हुए उन्होंने अपने मोबाइल से रिकॉर्डिंग शुरू कर दी। संयुक्त मजिस्ट्रेट ने बताया कि बाद में प्रोटोकॉल और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए उन्होंने ब्लॉक प्रमुख के कार्यालय में जाकर दस्तावेज लेने पर विचार किया, लेकिन जब कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली और स्थिति तनावपूर्ण होती गई तो उन्होंने वहां अधिक देर रुकना उचित नहीं समझा। उनके अनुसार, इसी दौरान ब्लॉक प्रमुख तेजी से उनके पास आए और रिकॉर्डिंग कर रहे मोबाइल से उनके चेहरे पर चोट लगने की आशंका उत्पन्न हुई। आत्मरक्षा में उन्होंने मोबाइल को एक ओर हटाया। इसके बाद उनके साथ शारीरिक धक्का-मुक्की हुई, जिसमें उन्होंने केवल स्वयं को अलग करने का प्रयास किया। राही ने अपने स्पष्टीकरण में स्वीकार किया कि गनर को तहसील कार्यालय भेजना उनकी बड़ी प्रशासनिक भूल थी। यदि गनर मौके पर रहता तो शारीरिक दूरी बनाए रखने और विवाद टालने में मदद मिल सकती थी। उन्होंने यह भी माना कि समिति के सदस्यों के वेतन की समस्या के कारण एक ही दिन में पांच कोल्ड स्टोरेज की जांच स्वीकार करना 'ऑपरेशनल हेस्ट' थी और भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। उन्होंने आगे लिखा कि घटना के बाद उन्होंने तत्काल निरीक्षण समाप्त करने का निर्णय लिया और अन्य कोल्ड स्टोरेज का केवल सरसरी निरीक्षण किया। बाद में उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पूरी निरीक्षण प्रक्रिया रोक दी गई। कार्यालय लौटकर उन्होंने समिति के सदस्यों से अलग-अलग रिपोर्ट देने का सुझाव दिया, लेकिन सदस्यों ने संयुक्त रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिस पर उन्होंने हस्ताक्षर कर दिए। राही ने यह भी उल्लेख किया कि बाद में उन्हें जानकारी मिली कि वर्ष 2018 में विद्युत चोरी के मामले में साक्ष्य जुटाने पर संबंधित पक्षों द्वारा विद्युत विभाग के अधिकारियों पर जानलेवा हमला करने का मामला भी दर्ज हुआ था। उनका कहना है कि यदि यह जानकारी पहले होती तो वह अतिरिक्त पुलिस बल और रीयल टाइम रिकॉर्डिंग के बिना निरीक्षण करने नहीं जाते। अपने स्पष्टीकरण के अंत में रिंकू सिंह राही ने कहा कि गनर को भेजना और जल्दबाजी में निरीक्षण करना उनकी त्रुटि थी, जिसकी पुनरावृत्ति नहीं होगी, लेकिन इसके अतिरिक्त लगाए गए अन्य आरोप स्वीकार्य नहीं हैं। जॉइंट मजिस्ट्रेट ने यंग भारत को निजी बातचीत में बताया कि कोल्ड स्टोरेज पर हुआ विवाद वास्तव में एक बहाना है असली में मामला जालौन में नजूल के सरकारी भूमि जिसका वर्तमान मूल्य100 करोड़ से लवकर 150 करोड़ तक होगा। यही उनको जालौन से हटवाने की प्रमुख वजह है। उक्त भूखंड को जालौन के नाम चीन 3 धन्ना सेठ कब्जाए हुए हैं जबकि यह भूमि सरकारी रिकॉर्ड में नजूल भूमि दर्ज है तथा पूरी तरह से सरकारी है। इसके पुराने कागजात दिखा कर यह भाजपा कार्यकाल में शक्तिशाली हो गए तीन धन्ना सेठ उस भूमि पर निर्माण भी करा रहे हैं तथा 8 फिट गहरी मिट्टी बहुत बड़े क्षेत्र फल से उठाई जा चुकी है इस खेल में नगर पालिका तथा तहसील के जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी पूरी तरह से शामिल रहे हैं। इस पर मैंने कड़ी आपत्ति उठाई थी जो वर्तमान शक्तिशाली धन्ना सेठों को नगवार गुजरी। उन्हें लगा कि रिंकू सिंह के रहते यह बेष कीमती जमीन अब हमारे हाथ से निकल जायेगी। इस पर मेरे पूर्व कोई कड़ी कार्यवाही किसी अधिकारी कर्मचारी द्वारा नही की गई जिससे इसलन भूमि हड़पुओ के हौंसले बढ़ते रहे। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी रिपोर्ट में उक्त सरकारी भूमि हड़पने का प्रयास करने वालो के विरुद्ध sit गठित करके और एफआईआर दर्ज कराकर ठोस कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की है। जालौन से हटाए गए जॉइंट मजिस्ट्रेट द्वारा पूरा भंडाफोड़ कर देने से जिले भर में चर्चाओं का बाजार गर्म है और आम चर्चा की जितनी तेज गति से रिंकू सिंह के विरुद्ध कार्यवाही की गई है उसी गति से सरकारी नजूल भूमि को बचाने के लिए दोषियों पर कठोरतम कार्यवाही की जाय तभी पूर्ण न्याय हो सकता है।

जालौन के धन्ना सेठो, सरकारी भूमि हड़पने के आरोपियों के पक्ष में बनाया एक काबीना मंत्री ने बनाया दबाव

- आईएएस रिंकू सिंह राही के समर्थन में उमड़ा जनसैलाब, सैकड़ों पर युवाओं ने प्रदर्शन कर पुनः जालौन में तैनाती की उठाई मांग
- मात्र 45 दिन में धन्ना सेठों की तिकड़ी को हजम न होने के कारण बहाने लेकर हटाए गए रिंकू सिंह
- जिलाधिकारी के नाम उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, स्थानांतरण आदेश वापस लेने की मांग
- प्रदर्शनकारियों ने रिंकू सिंह राही को ईमानदार, निष्पक्ष और जनहित में कार्य करने वाला अधिकारी बताया
- 23 जून के कोल्ड स्टोरेज जांच विवाद के बाद हुआ था जालौन से उरई तबादला

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। जालौन के जॉइंट मजिस्ट्रेट आईएएस रिंकू सिंह राही का उरई स्थानांतरण किए जाने के विरोध में गुरुवार को सैकड़ों युवा और ग्रामीण सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने तहसील परिसर पहुंचकर जोरदार नारेबाजी की और जिलाधिकारी जालौन के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपते हुए रिंकू सिंह राही को पुनः जालौन में जॉइंट मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात किए जाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने प्रशासन से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए स्थानांतरण के निर्णय पर पुनर्विचार करने की अपील की। प्रदर्शन में हिमांशु कुमार, दीपराज, अवनीश, अंकित सिंह, रिहान मंसूरी, मोहित कुमार, देवराज सिंह भदौरिया, प्रियांशु, प्रीतम सिंह सहित बड़ी संख्या में युवा और ग्रामीण शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि रिंकू सिंह राही ने अपने कार्यकाल में निष्पक्ष, पारदर्शी और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य किया। उनका कहना था कि उन्होंने आम जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया तथा बिना किसी राजनीतिक या अन्य दबाव के प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन किया। यही कारण है कि उनके स्थानांतरण से क्षेत्र की जनता में निराशा और असंतोष है।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ऐसे अधिकारी प्रशासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत आधार बनते हैं। उन्होंने कहा कि जनपद को ऐसे अधिकारियों की आवश्यकता है जो कानून के दायरे में रहकर निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कार्य करें। युवाओं ने यह भी कहा कि जनता अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है और ईमानदारी से कार्य करने वाले अधिकारियों के साथ मजबूती से खड़ी है। उल्लेखनीय है कि 23 जून को भाजपा के ब्लॉक प्रमुख रामराज निरंजन के कोल्ड स्टोरेज पर प्रशासनिक जांच के दौरान जॉइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह राही और ब्लॉक प्रमुख के बीच विवाद हो गया था। ब्लॉक प्रमुख ने आरोप लगाया था कि जांच के दौरान उनके साथ अभद्र व्यवहार और धक्का-मुक्की की गई। बाद में उन्होंने पत्रकार वार्ता कर घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी सार्वजनिक किया और जिलाधिकारी से शिकायत दर्ज कराई। मामले ने राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर काफी चर्चा बटोरी। इसके बाद प्रशासनिक स्तर पर पूरे प्रकरण का संज्ञान लेते हुए रिंकू सिंह राही का स्थानांतरण जालौन से उरई कर दिया गया। स्थानांतरण के फैसले के विरोध में गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग तहसील परिसर पहुंचे और शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि जनभावनाओं को देखते हुए स्थानांतरण के आदेश पर पुनर्विचार किया जाए तथा रिंकू सिंह राही को पुनः जालौन में जॉइंट मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात किया जाए। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और जनहितैषी अधिकारियों का मनोबल बनाए रखना प्रशासन और शासन, दोनों के हित में है।

डॉक्टर्स डे पर सीएचसी में चिकित्सकों को सम्मान से नवाजा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में समाजसेवियों सुरेश कुमार वर्मा तथा आशुतोष मिश्रा की टीम द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों को माला पहनाकर तथा अंगवस्त्र भेंट कर उनके उत्कृष्ट कार्यों और जनसेवा के लिए सम्मानित किया गया।

सीएचसी में आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी रिटायर्ड स्काउट शिक्षक सुरेश वर्मा ने कहा कि चिकित्सक समाज के लिए भगवान का दूसरा रूप माने जाते हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी पूरी निष्ठा, समर्पण एवं सेवा भाव से मरीजों का उपचार कर मानवता की मिसाल पेश करते हैं। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक डॉ दिनेश गुप्ता डा विशाल सचान, डा शेख शहरयार, डॉक्टर, डॉ अशोक कुमार चक सम्मान पाकर चिकित्सकों तथा चिकित्सकीय कर्मचारियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। उन्होंने समाजसेवियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार का सम्मान उन्हें भविष्य में भी पूरी लगन और ईमानदारी से जनसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। इस अवसर पर समाजसेवियों, चिकित्सकों, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों तथा अन्य गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की।

सड़क हादसे के दोषी कार चालक पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। बीते दिनों स्थानीय नगर कालपी के बाहरी इलाके मगरौल स्थित बाबा होटल के पास सरकारी कॉलोनी के पास मोटरसाइकिल तथा चार पहिया वाहन की टक्कर में लोग घायल हो गये। पीड़ित पक्ष के द्वारा कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराया गया है। उक्त मामले को लेकर वादिनी प्रीतम देवी पत्नी संजू निवासी ग्राम मगरोल ने कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि दिनांक 29.06.2026 को करीब 10 बजे प्रार्थनी अपने पति व बच्चों के साथ मोटरसाइकिल से कालपी जा रही थी। तभी बाबा होटल के पास सरकारी कॉलोनी के पास आरोपी दीपक ने अपनी चार पहिए गाड़ी से तेजी व लापरवाही से विपरीत दिशा से आते हुए प्रार्थिनी की गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी ?इस दुर्घटना में प्रार्थनी की गाड़ी गिर कर टूट गयी। तथा प्रार्थनी के पति का पैर व कूल्हा टूट गया। तथा शरीर में अनेक जगह चोटें आई हैं तथा प्रार्थनी और प्रार्थनी के बच्चों को चोटें आई हैं। कोतवाली पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है इस प्रकरण की विवेचना उपनिरीक्षक देवेंद्र सिंह भदोरिया को सौंपी गई है।

वालू खदान में उत्पात मचाने तथा झगड़ा करने के मामले में 4 नामजदों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। बीते दिनों पहले स्थानीय तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परासन में वालू खदान की देखरेख करने वाले कर्मचारी का रास्ता रोककर तथा धर्म कांटे के पास पहुंचकर गाली गलौज करने व मारपीट तथा गनर से बंदूक छीनने की कोशिश करने पर नामजद आरोपियों के खिलाफ थाना आटा में मुकदमा दर्ज कराया गया है। इस प्रकरण की बिबेचना उप निरीक्षक अनुपम मिश्रा को सौंपी गई है।

उक्त प्रकरण को लेकर वादी बृजनंदन पुत्र ओंकार निवासी ग्राम रिरुआ बुजुर्ग थाना जलालपुर जिला हमीरपुर वर्तमान में सलोनी इंटरप्राइजेज परासन खदान की देखरेख करता है। दिनांक 29.06.2026 की रात प्रार्थी खदान के आने-जाने वाले मार्ग पर सरसई डेरा के रहने वाले आरोपीऊ हीरा सिंह पुत्र चंद्रभान, राहुल पुत्र हरदयाल, कौशल पुत्र रामसनेही, संदीप पुत्र जागेश्वर ने अपनी मोटरसाइकिल से रास्ता रोककर मार्ग अवरुद्ध कर दिया। जिसके कारण जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। प्रार्थी के द्वारा डायल 112 पर फोन कर सूचना पर पुलिस टीम को देख सभी आरोपी मौके से भाग गए। उसी रात प्रार्थी के कांटे के सामने मोटरसाइकिल आरोपियों द्वारा बेड़ा खड़ी कर दी गई। मना करने पर गाली गलौज दी। तथा प्रार्थी के साथ मारपीट की। और प्रार्थी के साथी गनर मोनू दीक्षित की बंदूक छीनने की कोशिश की तभी प्रार्थी ने जोर से आवाज दी तो प्रार्थी के साथी कांटे से भाग कर आए और बीच बचाव कराकर झगड़ा शांत कराया।

मोटरसाइकिल की आमने सामने टक्कर में पति पत्नी सहित चार गंभीर रूप से घायल

-सभी घायलो को मेडीकल कालेज रिफर किया गया

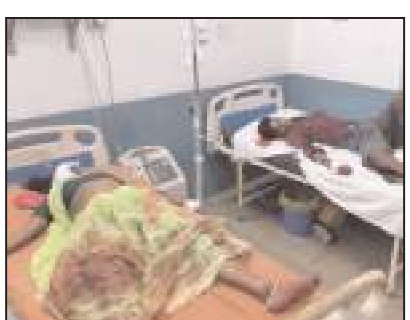

(यंग भारत न्यूज)

कोंच महेशपुरा रोड स्थित सेठ बद्रीप्रसाद महाविद्यालय के पास बुधवार देर रात दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में पति-पत्नी, उनके पुत्र सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज उरई रेफर किया गया।जानकारी के अनुसार महेशपुरा निवासी जनवेद जाटव उम्र 45 वर्ष अपनी पत्नी रानी उम्र 40 वर्ष और पुत्र युवराज उम्र 13 वर्ष के साथ उरई गए थे। बताया गया कि जनवेद की साली मंजू, जो तीतरा गांव की रहने वाली हैं, पेट दर्द की शिकायत के चलते उरई इलाज के लिए आई थीं। उन्हें दिखाने के बाद जनवेद अपने परिवार के साथ देर रात मोटरसाइकिल से महेशपुरा लौट रहे थे।इसी दौरान महेशपुरा रोड पर सेठ बद्रीप्रसाद कालेज के पास सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से उनकी बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर छिटककर दूर गिर पडे।घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसे में जनवेद, उनकी पत्नी रानी, पुत्र युवराज तथा दूसरी बाइक पर सवार गोलू उम्र 20 वर्ष पुत्र नरेंद्र, निवासी महेशपुरा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी।राहगीरों और एंबुलेंस कर्मियों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां डॉ अनिल शाक्य ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। घायलों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया गया।पुलिस भी दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

नगदी,जेवरात व मोवाइल लेकर लेकर रात में पत्नी लापता,पति ने पुलिस से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चमेड़ निवासी एक युवक ने अपनी पत्नी के घर से नकदी, जेवर और मोबाइल लेकर लापता होने की शिकायत गुरुवार को कोतवाली पुलिस से की है। पीड़ित ने पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर पत्नी की तलाश कराने की मांग की है।पीड़ित कमल सिंह पुत्र राजाराम ने बताया कि उसकी शादी करीब तीन वर्ष पूर्व कालपी क्षेत्र की निवासिनी पुष्पा के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। शादी के बाद दोनों उसके पिता के मकान में अलग रह रहे थे। आरोप है कि 2 जुलाई की रात करीब दो बजे उसकी पत्नी शौच जाने की बात कहकर घर से बाहर गई, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। जब उसकी नींद खुली तो पत्नी विस्तर पर नहीं थी। उसने बाहर निकलने का प्रयास किया तो मेन गेट का दरवाजा बाहर से बंद मिला। पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खुलवाया गया और आसपास काफी तलाश की गई, लेकिन पत्नी का कोई पता नहीं चला।पीड़ित का आरोप है कि उसकी पत्नी घर में रखे करीब 19 हजार रुपये नकद, जेवरात तथा अपना और उसका मोबाइल फोन लेकर चली गई है। सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और पूछंताछ की। अब पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर पत्नी की तलाश और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है।वही प्रार्थनापत्र के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।मामले में कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार का कहना है कि प्राप्त तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और लापता हुई महिला की खोजबीन के लिए पुलिस टीम द्वारा तलाश की जा रही है।जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे उस आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

नवागंतुक क्षेत्रीय वन अधिकारी कोमल सिंह ने कार्यभार ग्रहण किया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर में नवागंतुक क्षेत्रीय वन अधिकारी कोमल सिंह ने कार्यभार ग्रहण कर कहा कि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और वन संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

पत्रकारों से वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि उनकी कार्ययोजना का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक पौधरोपण कराना ही नहीं, बल्कि लगाए गए पौधों के संरक्षण और उनके रखरखाव को भी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि पौधरोपण तभी सफल माना जाएगा, जब लगाए गए पौधे वृक्ष बनकर पर्यावरण को समृद्ध करें। इसके लिए विभाग नियमित निगरानी करेगा और जनसहभागिता को भी बढ़ावा दिया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने लोगों को पौधों और वृक्षों के महत्व के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने की भी बात कही। कहा कि वन क्षेत्रों में अवैध कटान किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग ऐसे मामलों पर कड़ी नजर रखेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। वन संपदा की सुरक्षा के लिए विभागीय टीमों को सक्रिय रखा जाएगा और नियमित गश्त भी कराई जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं अवैध कटान, वन भूमि पर अतिक्रमण या अन्य किसी प्रकार की अनियमितता की जानकारी मिले तो तत्काल वन विभाग को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

गाँव के युवकों पर बेटी से छेड़खानी का लगाया आरोप

एसपी व मुख्यमंत्री से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई ।रंजिश के चलते गांव के ही तीन युवकों द्वारा को परेशान करने एवं घर में बेटी के साथ रह रहे बुजुर्ग की बेटी का हाथ पकड़ने वं जेब में पड़े 720 रुपये निकाल लेने का आरोप लगाते हुए पीड़ित वृद्ध ने एसपी व मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम भैलावली निवासी हरनाम सिंह ने एसपी व मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर लिखा कि उनके गांव निवासी तीन युवक उससे रंजिश रखते हैं। आरोप लगाया कि बीती 30 जून को परिवार के सदस्य बाहर गए थे। घर पर वह व उनकी बेटी अकेली थी। इसका फायदा उठाकर तीनों युवक रात करीब साढ़े आठ बजे उसके घर आ धमके। उन्होंने शराब के नशे में गाली, गलौज शुरू कर दी। जब उसने गाली देने से रोका तो उन्होंने पास में ही बैठी बेटी का गलत नीयत से हाथ पकड़ लिया और उसके जेब में पड़े 720 रुपये निकाल लिए। उसके चिल्लाने पर आसपास के लोग बचाने के लिए आए तो आइंदा जान से मारने की धमकी देकर तीनों वहां से भाग गए। इसका घटना का वीडियो भी बेटी ने बनाया है। पीड़ित वृद्ध ने मुख्यमंत्री व एसपी से मामले में कार्रवाई की गुंहार लगाई है।

14 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म किए जाने के मामले में फरार चल रहा आरोपी जालौन पुलिस ने किया गिरफ्तार

षणयंत्र पूर्वक पड़ोसी ने अपने रिश्तेदार से करवा दिया नाबालिग के साथ बलात्कार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। किशोरी को घर बुलाकर युवक द्वारा उसके साथ दुष्कर्म किए जाने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को कोतवाली पुलिस ने पकड़कर न्यायालय में पेश किया है। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

कोतवाली क्षेत्र निवासी एक महिला ने पुलिस को बताया था कि उसके पति बीमार रहते हैं। परिवार के भरण पोषण के लिए वह काम पर जाती है। घर पर 14 वर्षीय बेटी व उसका छोटा भाई अकेला रहता है। बीती 23 जून को पड़ोस की एक महिला के यहां बीती 23 जून को जनपद औरैया के थाना अयाना क्षेत्र के ग्राम मनसुखपुर निवासी अमित वर्मा आया था। अमित के कहने पर महिला उसकी बेटी को अपने घर ले गई। जहां अमित ने उसकी बेटी के कपड़े उतारकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब बेटी 10-15 मिनट तक घर नहीं लौटी तो घर पर मौजूद छोटे बेटे ने उसे खोजना शुरू किया। जब वह महिला के घर पहुंचा तो अमित उसे देखकर मौके से भाग निकला। जब वह शाम को घर लौटी तो बेटी और बेटे ने उसे घटना की जानकारी दी। मां की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। गुरूवार सुबह कोतवाल हरिशंकर चंद को सूचना मिली कि आरोपी कोंच चौराहे पर कहीं बाहर भागने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी को पकड़कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

कोंच-सरसौकी शटल ट्रेन बंद होने से लोगो में आक्रोश, बहाली की मांग

राठौर समाज सेवा समिति ने डीआरएम को संबोधित ज्ञापन स्टेशन मास्टर को सौपा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोंच-सरसौकी शटल ट्रेन सेवा बंद किए जाने के विरोध में राठौर समाज सेवा समिति ने गुरुवार को कोंच स्टेशन मास्टर के माध्यम से झांसी मंडल के रेल प्रबंधक को संबोधित एक ज्ञापन सौंपकर ट्रेन सेवा को तत्काल बहाल करने की मांग की। समिति ने कहा कि यह शटल सेवा क्षेत्र के हजारों यात्रियों के लिए जीवन रेखा जैसी थी और इसके बंद होने से आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।समिति के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में बताया कि ब्रिटिश शासनकाल से संचालित कोंच रेलवे स्टेशन क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण स्टेशन रहा है। कोंच से सरसौकी तक सुबह 8:10 बजे चलने वाली शटल ट्रेन के माध्यम से लोग आसानी से मुख्यालय उरई पहुंचते थे। इस सेवा का सबसे अधिक लाभ छात्र-छात्राओं,सरकारी कर्मचारियों, श्रमिकों, व्यापारियों, मरीजों तथा प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों को मिलता था।

ज्ञापन में कहा गया कि रेलवे प्रशासन द्वारा 29 जून 2026 से कोंच-सरसौकी शटल सेवा बंद कर दिए जाने के बाद यात्रियों को मजबूरन निजी बसों और अन्य परिवहन साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे न केवल यात्रियों का समय अधिक लग रहा है, बल्कि यात्रा का खर्च भी बढ़ गया है। कई लोगों को समय पर अपने कार्यस्थल, शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों तक पहुंचने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।राठौर समाज सेवा समिति ने रेल प्रशासन से मांग की है कि जनहित और यात्री सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूर्व की भांति कोंच-सरसौकी शटल ट्रेन सेवा को शीघ्र बहाल किया जाए। समिति का कहना है कि ट्रेन दोबारा शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी, उरई से रेल संपर्क फिर सुगम होगा और रेलवे के राजस्व में भी वृद्धि होगी। साथ ही दैनिक यात्री समय पर अपने कार्य पूरे कर रेल मार्ग से सुरक्षित और सुलभ तरीके से कोंच वापस लौट सकेंगे।समिति का मानना है कि रेलवे प्रशासन यात्रियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द सकारात्मक निर्णय करेगा। यदि शटल सेवा बहाल नहीं की गई तो क्षेत्रीय नागरिकों के साथ मिलकर आगे आंदोलन की रणनीति भी बनाई जा सकती है। इस मौके पर इंद्रजीत राठौर, मनीष राठौर, राजेश, सौरभ राठौर, अनूप राठौर अंडा, संजीव, दिलीप, डॉ बृजेश राठौर, आकाश राठौर,कल्ले राठौर, धर्मेन्द्र, संजीव, राहुल राठौर, मनोज, अखिलेश, मनीष, जितेंद्र राठौर, शिवम, डॉ वीरेंद्र राठौर, अतुल, शैलेंद्र, वीरेंद्र राठौर सहित समिति के सैकड़ो लोग मौजूद रहे

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का संकल्प, नैनो उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग से बढ़ेगी उपज और घटेगी लागत - जिलाधिकारी

- धरती माता बचाओ अभियान एवं उर्वरक निगरानी समिति की जनपद स्तरीय कार्यशाला आयोजित, सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत किसानों को नैनो उर्वरकों के उपयोग का दिया गया प्रशिक्षण

- कम मात्रा, सटीक पोषण, फसल हो भरपूर, अपनाइए इफको नैनो उर्वरक जरूर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। सहकारिता सप्ताह (29 जून से 06 जुलाई, 2026) के उपलक्ष्य में धरती माता बचाओ अभियान एवं उर्वरक निगरानी समिति के तत्वावधान में विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ जिलाधिकारी

राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह व जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने तथा भूमि की उर्वरा शक्ति को सुरक्षित रखने के लिए संतुलित एवं वैज्ञानिक उर्वरक प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नैनो उर्वरकों का प्रयोग कम मात्रा में अधिक प्रभावी परिणाम देता है, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटती है, उत्पादन एवं गुणवत्ता में वृद्धि होती है तथा मिट्टी और पर्यावरण का संरक्षण भी सुनिश्चित होता है। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिकों एवं कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में नैनो उर्वरकों का अधिकाधिक उपयोग करने का आह्वान किया। कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा इफको नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी, नैनो जिंक एवं नैनो कॉपर के गुण, लाभ एवं प्रयोग विधि की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि नैनो यूरिया प्लस फसलों में नाइट्रोजन की उपलब्धता बढ़ाकर उत्पादन एवं गुणवत्ता में सुधार करता है, जबकि नैनो डीएपी पौधों की प्रारंभिक वृद्धि, जड़ों के विकास तथा फास्फोरस की उपलब्धता को बढ़ाता है। नैनो जिंक पौधों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी दूर कर फूल एवं फल बनने की प्रक्रिया को मजबूत बनाता है तथा नैनो कॉपर फसलों को फफूंद, बैक्टीरिया एवं अन्य रोगों से सुरक्षा प्रदान करने के साथ पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है। विशेषज्ञों ने किसानों को बीज उपचार, जड़ उपचार तथा पर्णीय छिड़काव की वैज्ञानिक विधियों की जानकारी देते हुए बताया कि नैनो उर्वरकों का प्रयोग निर्धारित मात्रा एवं सही समय पर करने से पोषक तत्वों का बेहतर अवशोषण होता है, उर्वरकों की खपत कम होती है तथा पर्यावरण प्रदूषण में भी कमी आती है। कार्यशाला में विभिन्न फसलों के अनुसार नैनो उर्वरकों के प्रयोग का समय, मात्रा एवं सावधानियों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सुरक्षित कृषि पद्धतियों को अपनाना वर्तमान समय की आवश्यकता है। आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती किसानों की समृद्धि का आधार बनेगी। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने कहा कि सहकारिता विभाग किसानों तक आधुनिक कृषि तकनीकों एवं गुणवत्तापूर्ण उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने किसानों से सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। कार्यशाला में उपस्थित किसानों को नैनो उर्वरकों के उपयोग से संबंधित पुस्तिकाएं वितरित की गईं तथा विशेषज्ञों ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, इफको राज्य विपणन प्रबंधक यतेंद्र कुमार, इफको रीजनल मैनेजर झाँसी राजेश कुमार, इफको क्षेत्र प्रतिनधि उरई शुभम मिश्रा, कृषि, सहकारिता एवं इफको के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में किसान एवं सहकारी समिति के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अवैध खनन पर अब होगी बहु-विभागीय सख्त कार्रवाई, एनजीटी के निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें - जिलाधिकारी

वाहन चालक ही नहीं, वाहन स्वामी, खनन कराने वाले, भंडारणकर्ता एवं खरीदार तक पर होगी विधिक कार्रवाई

-डंप लगाने वाले चतुर मौरंग व्यापरियों की बढ़ेंगी मुसीबतें

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) एवं उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर जनपद के समस्त उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों, क्षेत्राधिकारियों, खान अधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) तथा उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित संबंधित अधिकारियों को अवैध खनन, अवैध भंडारण एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध प्रभावी एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अवैध खनन से संबंधित प्रत्येक प्रकरण में सभी लागू विधिक प्रावधानों के अंतर्गत एक साथ प्रभावी कार्रवाई की जाए। ऐसे मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज कर पुलिस द्वारा प्रभावी विवेचना कराई जाए। साथ ही खान एवं भू-तत्व विभाग द्वारा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के अंतर्गत पृथक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व, परिवहन, जीएसटी, आयकर एवं अन्य संबंधित विभाग भी अपने-अपने अधिनियमों के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई करें, जिससे अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कार्रवाई केवल वाहन चालक तक सीमित न रखी जाए, बल्कि वाहन स्वामी, अवैध खनन कराने वाले, अवैध भंडारण करने वाले, भूमि उपलब्ध कराने वाले, अवैध खनिज के खरीदार तथा अन्य सभी संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की गहन जांच कर उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कठोर विधिक कार्रवाई की जाए। आवश्यकता पड़ने पर संयुक्त एवं पृथक वित्तीय दायित्व भी निर्धारित किया जाए। उन्होंने क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण में तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर प्रभावी विवेचना सुनिश्चित की जाए तथा अपराध में प्रयुक्त वाहन, मशीनरी एवं खनिज का विधिसम्मत अधिग्रहण एवं जप्ती कर समयबद्ध कार्रवाई की जाए। खान अधिकारी प्रत्येक प्रकरण में आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए सक्षम न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत करें तथा पुलिस एवं राजस्व विभाग के साथ सतत समन्वय बनाए रखें।जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं खान अधिकारियों को संयुक्त रूप से नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त प्रवर्तन टीम गठित कर नियमित चेकिंग एवं रात्रिकालीन गश्त कराई जाए तथा अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिला स्तरीय अधिकारी समय-समय पर खनन पट्टा क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि पर्यावरण स्वीकृति (ईसी), उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से आवश्यक अनापत्ति एवं सहमति (सीटीई एवं सीटीओ) सहित सभी वैधानिक शर्तों का पूर्ण अनुपालन हो। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन एवं माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन प्रत्येक अधिकारी का व्यक्तिगत उत्तरदायित्व है। किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रवर्तन कार्रवाई की विस्तृत आख्या नियमित रूप से उपलब्ध कराना भी सुनिश्चित करें।

भाजपा ने मनाया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती स्मरण पखवाड़ा

कार्यकर्ता सम्मेलन में राष्ट्र निर्माण के संकल्प पर जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती स्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत मंगलवार को जेल रोड स्थित अमन रॉयल गेस्ट हाउस में भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को आत्मसात करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री किरन लोधी निषाद ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महान शिक्षाविद, प्रखर राष्ट्रवादी नेता एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे। उन्होंने 'एक देश, एक विधान, एक निशान' के सिद्धांत के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए उनका संघर्ष सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके आदर्श राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास के लिए सभी को प्रेरित करते हैं। विशिष्ट अतिथि गो सेवा आयोग के सदस्य राजेश सिंह सेगर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार करने का कार्य कर रही है। उनका सपना था कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक बिना किसी भेदभाव के सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे। आज केंद्र और प्रदेश सरकार इसी भावना के साथ सभी वर्गों के लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रभारी अशोक जाटव ने की। सम्मेलन में भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित, विधायक गौरीशंकर वर्मा, मूलचंद्र निरंजन, संजीव उपाध्याय, अरविंद चौहान, बाबा बालकदाश पाल, उदयन पालीवाल, नागेंद्र गुप्ता, संजय त्रिपाठी, पुष्पेंद्र सेगर, विवेक कुशवाहा, प्रशांत द्विवेदी, मनोज यादव सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, विचारों और राष्ट्रहित में उनके योगदान को याद करते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया।

सर्वोच्च न्यायालय के 'समाधान समारोह' में सुलह-समझौते से होगा लंबित मामलों का निस्तारण, 21 से 23 अगस्त तक आयोजित होगा विशेष अभियान

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शाम्भवी ने जनपदवासियों से अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव शाम्भवी ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के तत्वावधान एवं माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार आगामी 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को 'समाधान समारोह' का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष पहल का उद्देश्य माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित वादों का आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण कराना है। सचिव ने बताया कि जिन पक्षकारों की पत्रावली माननीय सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है और वे आपसी सहमति से अपने वाद का निस्तारण कराना चाहते हैं, वे समाधान समारोह के लिए अपनी पत्रावली चिन्हित करा सकते हैं। इसके लिए संबंधित पक्षकार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जालौन के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं अथवा अपने विद्वान अधिवक्ता के माध्यम से भी पत्रावली चिन्हित करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि समाधान समारोह न्यायालयों में लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे समय न्यायिक प्रक्रिया की बचत के साथ दोनों पक्षों को आपसी सहमति से न्याय प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। सचिव शाम्भवी ने जनपदवासियों से अपील की कि जिनके मामले माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हैं, वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा समय रहते अपनी पत्रावलियों को समाधान समारोह के लिए चिन्हित कराकर सुलह-समझौते के माध्यम से अपने वादों के निस्तारण की प्रक्रिया में सहभागी बनें।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश कुमार ने चलाया स्कूली वाहनों के खिलाफ अभियान

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशन में ''मिशन सेफ फ्यूचर'' के तहत राजेश कुमार, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) जनपद-जालौन व आनन्द राय कुरील, यात्री/मालकर अधिकारी, जनपद-जालौन द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं की सुरक्षित यात्रा और परिवहन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्कूली वाहनों के विरुद्ध अभियान विभिन्न क्षेत्रों के मार्गों पर स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट और सुरक्षा मानकों को परखने के लिए चलाया गया।

राजेश कुमार, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वारा अभियान के दौरान 02 स्कूली वाहनों में परिवहन नियमों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाये जाने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुए उनको कोंच मण्डी में निरुद्ध किया गया तथा अन्य स्कूली वाहनों के चालान किये गये। ''मिशन सेफ फ्यूचर'' के तहत यह अभियान लगातार आगे भी जारी रहेगा। बच्चों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। समस्त स्कूल प्रबन्धन व वाहन स्वामियों को सख्त निर्देश दिए जाते हैं कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय और परिवहन विभाग द्वारा जारी निर्धारित मानकों (जैसे-जीपीएस, सीसीटीवी, फिटनेस, सर्टिफिकेट और प्रशिक्षित चालक) का शत-प्रतिशत पालन करें। लापरवाही बरतने वाले वाहनों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। परिवहन विभाग, जनपद-जालौन सभी अभिभावकों से अपील करता है कि अपने बच्चों को स्कूल भेजते समय वाहन की सुरक्षा स्थिति और वैध दस्तावेजों की पुष्टि अवश्य कर लें।

आम बहार आपके द्वार रैली से गूंजा उरई, वन महोत्सव के दूसरे दिन पर्यावरण संरक्षण का दिया गया जनसंदेश

जिला पंचायत अध्यक्ष, सदर विधायक एवं जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी, 350 से अधिक लोगों ने लिया जनजागरूकता रैली में भाग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। वन महोत्सव के द्वितीय दिवस पर जनपद में पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग एवं हेल्पिग हैण्ड्स सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 'आम बहार आपके द्वार' थीम पर भव्य जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय परिसर से जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा एवं जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय से प्रारंभ होकर टाउन हॉल उरई तक निकाली गई इस रैली में पर्यावरण संरक्षण, अधिकाधिक वृक्षारोपण तथा पौधों की सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। रैली में लगभग 350 लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जिनमें करीब 150 महिलाएं एवं 200 पुरुष शामिल रहे। 'पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ' का आह्वान किया गया पर्यावरण संरक्षण केवल शासन का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल का संकल्प लिया गया। प्रभागीय वनाधिकारी ने रैली का संचालन करते हुए वर्षाकाल 2026 में प्रत्येक नागरिक से कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने तथा उसके लिए पहले से उपयुक्त स्थान चिन्हित कर वर्षा होने पर पौधरोपण करने और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण तभी सार्थक होगा जब लगाए गए पौधों का संरक्षण भी पूरी जिम्मेदारी के साथ किया जाए। रैली में हेल्पिग हैण्ड्स सेवा संस्थान के अध्यक्ष सत्येन्द्र श्रीवास्तव, धनाराम महाविद्यालय के प्रबंधक बच्चू महाराज सहित अनेक सामाजिक एवं प्रतिष्ठित नागरिकों ने सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर वन विभाग के उप प्रभागीय वनाधिकारी, क्षेत्रीय वन अधिकारी, जिला परियोजना अधिकारी, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान वृक्षारोपण, हरित पर्यावरण और प्रकृति संरक्षण के प्रति लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

राजकीय आईटीआई के सेवानिवृत्त प्राचार्य को दी गई भावभीनी विदाई

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कालपी में सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रवण कुमार शुक्ला के सम्मान में विदाई समारोह का झांसी मंडल के संयुक्त निदेशक अशीष दुवे की अध्यक्षता में आयोजन किया गया। समारोह में संस्थान के प्रशिक्षकों, कर्मचारियों, बुद्धजीवियों एवं विद्यार्थियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए भावभीनी विदाई दी।

संस्थान के परिसर में आयोजित समारोह में अध्यक्षता करते हुये संयुक्त निदेशक अशीष दुवे ने कहा कि श्रवण कुमार शुक्ला ने अपने सेवाकाल के दौरान संस्थान में अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा तथा प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके कुशल नेतृत्व, सरल स्वभाव और कर्तव्यनिष्ठ कार्यशैली ने संस्थान को नई पहचान दिलाने का कार्य किया। वर्तमान प्रभारी प्राचार्य मानसिंह भारती ने कहा कि एक साल के कार्यकाल में संस्थान को गौरव प्राप्त कराया है। अपने संबोधन में निवर्तमान प्राचार्य श्रवण कुमार शुक्ला ने संस्थान परिवार के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पूरे सेवाकाल में सभी का भरपूर सहयोग और स्नेह मिला। उन्होंने संस्थान की निरंतर प्रगति और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। किया गया। उपस्थित नागरिकों अधिकारियों एवं कर्मचारियों, बुद्धिजीवियों ने सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ श्रवण कुमार शुक्ला के स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र कुमार द्वारा किया गया।

प्रधानमंत्री आवास की मजदूरी में 30 हजार रुपये हड़पने का आरोप, डीएम से शिकायत

लाभार्थी ने ग्राम प्रधान पर अंगूठा लगवाकर खाते से मजदूरी निकालने का लगाया आरोप

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। विकास खंड रामपुरा क्षेत्र के ग्राम बिलौड़ निवासी प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी सूर्यदास राम लखन ने जिलाधिकारी जालौन को शिकायती पत्र देकर ग्राम प्रधान भोदल यादव ने धोखाधड़ी कर प्रधानमंत्री आवास की मजदूरी के 30 हजार रुपये निकाल लेने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कर धनराशि वापस दिलाने की मांग की है।

शिकायती पत्र में सूर्यदास राम लखन ने बताया कि वर्ष 2025 में उन्हें दिव्यांग कोटे से प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला था। आरोप है कि पहली किस्त मिलने पर ग्राम प्रधान भोदल यादव ने 10 हजार रुपये ले लिए। दूसरी किस्त से आवास का निर्माण कराया गया। इसके बाद तीसरी किस्त और मनरेगा मजदूरी के भुगतान के नाम पर कई बार मोबाइल में अंगूठा लगवाया गया। प्रधान भोदल यादव ने यह कहकर अंगूठा लगवाया कि अभी पैसा खाते में नहीं आया है, जबकि बाद में मजदूरी की धनराशि निकाल ली गई। पीड़ित का आरोप है कि जॉब कार्ड की मजदूरी के भुगतान में भी इसी तरह अंगूठा लगवाकर 2800 रुपये में से केवल 500 रुपये दिए गए और शेष राशि प्रधान ने अपने पास रख ली। इस प्रकार आवास निर्माण से संबंधित मनरेगा मजदूरी के करीब 30 हजार रुपये हड़प लिए गए। पीड़ित ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसकी मजदूरी की धनराशि वापस दिलाने की मांग की है। यह खबर शिकायत पत्र में लगाए गए आरोपों पर आधारित है। संबंधित पक्ष का बयान प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जा सकता है।

गांव-गांव तक संगठन को मजबूत करने में जुटा राष्ट्रीय लोकदल

विधानसभा, जिला पंचायत और ग्राम प्रधान चुनाव की तैयारियों में जुटा संगठन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री जयंत चौधरी तथा प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष रविन्द्र श्रीवास्तव उर्फ सोनू एवं जिला उपाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने संयुक्त वार्ता में संगठन की रणनीति साझा की।

उन्होंने बताया कि आगामी विधानसभा, जिला पंचायत एवं ग्राम प्रधान चुनाव को देखते हुए पार्टी बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने में जुटी है। इसके लिए गांव-गांव में कार्यकर्ताओं को जोड़ने के साथ नए लोगों को भी संगठन से जोड़ा जा रहा है। नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल प्रत्येक चुनाव पूरी मजबूती और दमदारी के साथ लड़ेगा। इसी उद्देश्य से ब्लॉक से लेकर बूथ स्तर तक संगठन का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी जातियों और धर्मों के लोगों को संगठन में उचित भागीदारी देते हुए उन्हें जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, ताकि पार्टी का जनाधार और अधिक मजबूत हो सके।

बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में निषाद पार्टी ने दिखाई संगठनात्मक ताकत

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने मुगलों- अंग्रेजी शासन विपक्षी दलों पर साधा निशाना

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। गुरुवार को कालपी में आयोजित निर्वल इंडियन शोषित हमारा आम दल निषाद पार्टी के बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी से संगठनात्मक ताकत का प्रदर्शन देखने को मिला। सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने,समाज की गरीबी दूर करने तथा चुनावों की तैयारियों में पूरी सक्रियता एवं ताकत से जुटने का आह्वान किया।

टरननगंज कालपी के एक वैवाहिक सभागार में आयोजित बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में अपने संबोधन में डॉ. संजय निषाद ने आरोप लगाया कि मुगल शासन, अंग्रेजी हुकूमत तथा आजादी के बाद कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की सरकारों ने निषाद समाज के साथ अन्याय किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक समाज को उसके अधिकारों से वंचित रखा गया, जबकि निषाद पार्टी समाज के सम्मान, अधिकार और हिस्सेदारी के लिए निरंतर संघर्ष कर रही है। निषाद पार्टी की सत्ता में साझेदारी तथा ताकत से गरीबी को दूर करने की सक्रियता से जुटने का आव्हान किया। प्रदेश के मत्स्य विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ निषाद ने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। सम्मेलन में संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन और आगामी चुनावी रणनीति पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता रामकिशोर गुप्ता, भारत निषाद, देवदत्त निषाद, मन्नू लाल निषाद, मनोज निषाद, नरेंद्र निषाद, महेंद्र निषाद, सत्य प्रकाश निषाद, एवं बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित रहे।

भाजपा के गठबंधन से तय होगी चुनावों की सीटें - डॉ निषाद

कालपी (जालौन)। 220 विधानसभा कालपी से 2022 के चुनाव में भाजपा गठबंधन से निषाद पार्टी के चुनाव चिन्ह थाली के निशान से छोटे सिंह चौहान चुनाव मैदान में उतरे थे ??। लेकिन मात्र 2 हजार वोटो से पराजित हो गये थे। समझा जाता है कि इस बार कालपी सीट गठबंधन के तहत निषाद पार्टी के खाते में जा सकती है। इसी को लेकर पत्रकारों के जवाब में निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजय निषाद ने बताया कि पिछली बार भाजपा से गठबंधन करके प्रदेश में 16 सीटों पर निषाद पार्टी मैदान में उतरी थी। उन्होंने संकेत दिया कि 2022 में जिन सीटों में अपने साथ पार्टी मैदान में उतरी थी। उन सीटों पर 2027 के चुनाव में भी निषाद पार्टी अपने उम्मीदवार उतार सकती है ?। उन्होंने बताया कि इसके लिए गठबंधन के तहत फार्मूला तय होगा। कुछ भी हो आज निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं की भीड़ से महसूस हुआ के 220 विधानसभा सीट कालपी में एक बार फिर से गठबंधन के तहत निषाद पार्टी के उम्मीदवार का खाते में जा सकती है। आज के कार्यकर्ता सम्मेलन में कालपी के इतिहास एवं क्रांतिकारी पृष्ठभूमि का हवाला देते हुए वीरांगना लक्ष्मीबाई तथा कालपी निवासी पूर्व सांसद फूलन देवी के समर्थन में जमकर नारेबाजी हुई है।

जायघा में घर के बाहर सो रही महिला की निर्मम हत्या, सिर पर वार कर उतारा मौत के घाट

क्षेत्र में फैली सनसनी, घटना से उठ रहे कई संदेह

(यंग भारत न्यूज)

उरई । जनपद के रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम जायघा में बुधवार देर रात एक दिल दहला देने वाली हत्या की वारदात से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घर के बाहर चारपाई पर सो रही 50 वर्षीय महिला की अज्ञात हमलावर ने सिर पर किसी भारी वस्तु से हमला कर हत्या कर दी। गुरुवार सुबह खून से लथपथ शव मिलने पर ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और क्षेत्राधिकारी (सीओ) भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

मृतका की पहचान मीना देवी (50) पत्नी स्वर्गीय कल्लू सिंह राजावत, निवासी ग्राम जायघा के रूप में हुई है। बताया गया कि पति की मृत्यु के बाद वह घर में अकेली रहती थीं। बुधवार रात भी वह रोज की तरह घर के बाहर चारपाई पर सो रही थीं। इसी दौरान अज्ञात हमलावर ने उनके सिर पर भारी वस्तु से कई वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गुरुवार सुबह जब काफी देर तक मीना देवी की कोई हलचल नहीं हुई तो पड़ोसियों को शक हुआ। पास जाकर देखने पर उनका शव खून से लथपथ मिला। घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। मृतका के दो बेटे देवेंद्र सिंह (30) और विकेश सिंह (25) गुजरात के अंकलेश्वर में टाइल्स लगाने का काम करते हैं। सूचना मिलने पर बड़ा बेटा गुजरात से गांव के लिए रवाना हो गया है। पुलिस ने परिजनों के आने तक आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी अंबुज यादव, थाना प्रभारी शिव प्रकाश सिंह एवं पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। रंजिश, लूटपाट अथवा किसी करीबी की संलिप्तता सहित सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। इस जघन्य हत्याकांड के बाद पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल बना हुआ है।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं: बेटे की शादी से चार दिन पहले पिता की सड़क हादसे में मौत

(यंग भारत न्यूज)

उरई । बेटे की शादी की तैयारियों के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। निमंत्रण कार्ड बांटने निकले पिता की तेज रफ्तार कार की टक्कर से मौत हो गई। हादसे के बाद चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान श्यामबाबू (52) पुत्र सरी वर्मा, निवासी चांदनी गांव, थाना कोंच के रूप में हुई है। उनके बेटे संजय की शादी 6 जुलाई को होनी थी, जबकि 5 जुलाई को भोज का कार्यक्रम निर्धारित था। परिवार में शादी की तैयारियां जोरों पर थीं और अधिकांश निमंत्रण पत्र भी बांटे जा चुके थे। बुधवार शाम श्यामबाबू बाइक से निमंत्रण कार्ड बांटने निकले थे। जैसे ही वह कोंच रोड स्थित मिनौरा गांव के पास पंडित धनाराम डिग्री कॉलेज के निकट पहुंचे, सामने से आ रही तेज रफ्तार वैगनआर कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह करीब 10 फीट दूर जाकर गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें उरई मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां गुरुवार दोपहर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, हादसे के बाद कार चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। कार पर 'भाजपा नगर अध्यक्ष' लिखा हुआ था। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद परिजन थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग करेंगे। श्यामबाबू की मौत की खबर मिलते ही शादी वाले घर में मातम छा गया। जिस घर में मंगल गीत गूंज रहे थे, वहां अब शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कुठौंद पुलिस का अपराधियों के खिलाफ लगातार एक्शन जारी

न्यायालय से जारी एनबीडब्ल्यू वारंट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद (जालौन): कुठौंद थाना क्षेत्र अंतर्गत- पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कुठौंद पुलिस को एक और सफलता मिली है। थाना कुठौंद पुलिस ने वर्ष 2019 के लूट एवं मारपीट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी जालौन के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक जगदम्बा प्रसाद दुबे कुठौंद के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए कमल दोहरे पुत्र मेवालाल दोहरे, निवासी ग्राम सैदपुर उवारी, थाना कुठौंद, जनपद जालौन को उसके घर से गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना कुठौंद में दर्ज अपराध संख्या 231/2019 में धारा 394, 323, 504, 506 एवं 411 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज है। अभियुक्त न्यायालय में लगातार अनुपस्थित चल रहा था, जिसके चलते माननीय न्यायालय ने उसके विरुद्ध गैर जमानती वारंट (NBW ST No. 46/2019) जारी किया था। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस ने विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त को वारंट की जानकारी दी गई तथा सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन किया गया। इस सफल कारवाई में हदरूख चौकी प्रभारी मुकेश कुमार गौतम, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार एवं कांस्टेबल लोकेश कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मासिक पंचायत में किसानों ने समस्याओं क निराकरण न होने को लेकर रुष्ट किसानों ने भरी हुंकार

तहसीलदार को 8 सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। बुधवार को भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत प्रगतिशील कृषक सत्येन्द्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें किसानों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी को 8 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन को सौंपकर समस्या का निदान करने की मांग की।

गल्ला मंडी में आयोजित मासिक पंचायत के उपरांत किसानों का प्रतिनिधिमंडल तहसील कालपी में पहुंचा। किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष अजय पाल सिंह राजू मलथुआ के नेतृत्व में किसानों के प्रतिनिधि मंडल ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए अवगत कराया है कि कालपी तहसील क्षेत्र में कालपी तहसील के किसानों की खतौनी में अभी तक नाम व हिस्सा की त्रुटियां अभी तक ठीक नहीं हुई है। विरासत वाले किसानों के नाम खतौनी में दर्ज किए जाएं जिसमें किसानों के फार्मर आईडी में सही हिस्सा दर्ज नहीं हो पाते हैं ना ही सरकारी योजनाओं का सही लाभ मिल पाता है। तहसील कालपी क्षेत्र के लेखपाल ग्राम विकास अधिकारी व किसान सहायक क्षेत्र में एक दिन ग्राम पंचायत भवन में संयुक्त बैठक कर सभी ग्राम पंचायत के किसानों की समस्याओं का समाधान करें। तहसील क्षेत्र के बैंकों द्वारा किसानों का किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने हेतु परेशान ना किया जाए। नक्शे व माइनरों की खुदाई नहीं हुई समय रहते वर्षा से पहले खुदाई कराई जाए। विद्युत विभाग का उदासीन व तानाशाही रवैया ठीक नहीं है। आंधी तूफान में जर्जर कर 100 मीटर की दूरी पर लगे खंबे खेतों में मौत को निमंत्रण दे रहे हैं। राजकीय नलकूपों में विद्युत तथा यांत्रिक दोष को ठीक करा कर चलाया जाए। ग्रामीण पेयजल योजना के तहत खोदी गई सड़कों को ठीक कराया जाए। सहकारी केंद्रों में डीएपी खाद की उपलब्धता कराई जाए साथी किसानों को बीच की मिनी कप किट उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए। अन्ना गौवंशों व जानवरों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी व्यवस्था की जाए। मासिक पंचायत में मंडल अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह, वीरपाल सिंह गोरा, श्याम बाबू पाल अमीषा, विश्वनाथ सिंह बेरी, वीरेंद्र मिश्र, सत्येंद्र सिंह भदौरिया, सुरेश चौहान, जयराम कुशवाहा, चंद्रशेखर, दयाशंकर कुशवाहा, महेश लमसर, अमर सिंह लोहरगांव, फैजल खान गुलौली, राजा सिंह, पुष्पेंद्र प्रसाद, नरेश साहू कुआं खेड़ा, अजय पाल नादई, जितेंद्र सिंह सतराजू, लड्डू सरसेल, रामबाबू हतनोरा, अजय चौहान हतनोरा, विश्वनाथ खैरई, श्याम बाबू पाल अमीषा, सुरेंद्र पाल कुसमरा, रामपाल, सुनील समेत किसान शामिल रहे।

नदियों में बालू खनन पर तीन माह की रोक से मंडियों व मोटर मार्केट में पसरा सन्नाटा

यमुना पुल के दोनों ओर लगने वाले जाम से मिली राहत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। वुधवार से नदियों से बालू खनन कार्य पर तीन माह के लिए लगी रोक का असर कारोबार पर दिखाई देने लगा है। खनन कार्य पूरी तरह बंद होने से मौरम मंडी, निर्माण सामग्री के बाजार तथा मोटर मार्केट में सन्नाटा पसरा हुआ है। बालू ढुलाई में जुड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली, डंम्परों तथा भारी वाहनों का संचालन बंद होने से व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हुई हैं।

मालूम हो कि वेतवा तथा यमुना नदी के खदानों से भरकर बालू, मौरम कानपुर देहात, उन्नाव, लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर, बाराबंकी, औरैया, इटावा, मैनपुरी, आगरा, हाथरस, कन्नौज, फर्रुखाबाद, आदि स्थान में डंपरों तथा ट्रैकों के माध्यम से पहुंचती है जिसमें सैकड़ों गाड़ियां लगी हुई है। शासन की नीतियों के अंदर 30 में सितंबर तक नदियों से बालू खनन पर रोक लगा दी गई है। फल स्वरुप बालू ढलाई में लगे डंपर तथा ट्रैकों का कारोबार प्रभावित हुआ है। जोल्हूपुर मोड कदौरा कालपी तथा आसपास के मोटर मार्केट वाली मंडी दिन रात गुलजार रहती थी। व्यापारियों का कहना है कि बालू खनन बंद होने से वाहन मरम्मत, स्पेयर पार्ट्स, टायर, डीजल बिक्री तथा ढुलाई से जुड़े कारोबार में गिरावट आई है। वहीं निर्माण कार्यों की रफ्तार भी धीमी पड़ गई है, जिससे बाजारों की रौनक कम हो गई है। हालांकि खनन कार्य बंद होने का सकारात्मक असर यातायात व्यवस्था पर देखने को मिल रहा है। भारी वाहनों की आवाजाही कम होने से यमुना पुल और उसके आसपास प्रतिदिन लगने वाले जाम से लोगों को काफी राहत मिली है। ट्रैफिक का दबाव घटने से वाहनों का आवागमन सुचारु हो गया है और यात्रियों को समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में सुविधा मिल रही है। वाहन ऑपरेटरों तथा नागरिकों का कहना है कि खनन बंद होने से एक ओर व्यापार प्रभावित हुआ है, तो दूसरी ओर जाम की समस्या से राहत मिलने के कारण आम नागरिकों को बड़ी सुविधा मिली है। ज्ञात हो कि मरम्मती करण के कारण कालपी का पुराना पुल एक महीने से बंद चल रहा है।जब कि मात्र एक पुल से दोनों साइडों का वाहनों का आवागमन हो रहा है जिससे बार-बार जाम की समस्या पैदा हो जाती थी। ट्रैफिक लोड कम हो जाने से अब गाड़ियां हाईवे में फर्राटा भरने लगी है।

डीएम ने दिया 15 अगस्त तक पंचायत विकास योजनाओं के कार्य किसी भी दशा में पूर्ण करने का अल्टीमेटम

जीपीडीपी एवं eGramSwaraj पोर्टल पर पंचायत विकास योजनाओं के शत-प्रतिशत अद्यतन के लिए जिलाधिकारी ने दिए विस्तृत निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में पंचायत विकास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं eGramSwaraj Portal पर निर्धारित समयावधि में सभी कार्यों के शत-प्रतिशत अद्यतन को लेकर संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पंचायत विकास योजनाओं का निर्माण, अनुमोदन एवं ऑनलाइन प्रविष्टि समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दास्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि शासन द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में वित्तीय वर्ष 2026-27 की पंचायत विकास योजना से संबंधित समस्त कार्य 15 अगस्त 2026 तक अनिवार्य रूप से eGramSwaraj Portal पर पूर्ण कर अद्यतन किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए तथा प्रत्येक चरण की नियमित समीक्षा की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद स्तर पर संबंधित समस्त विभागों के नोडल अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए पंचायत विकास योजना निर्माण की कार्यवाही तत्काल प्रारंभ कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्राम, क्षेत्र एवं जिला पंचायत स्तर पर GPDP Portal तथा eGramSwaraj Portal पर निर्धारित समस्त कार्यवाहियां समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत पूर्ण कराई जाएं। किसी भी प्रकार की तकनीकी अथवा प्रशासनिक बाधा आने पर उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्राम सभा महिला सभा, बाल सभा तथा अन्य आवश्यक समितियों की बैठकें आयोजित कर जनसहभागिता के माध्यम से ग्राम पंचायतों की वास्तविक आवश्यकताओं का आकलन किया जाए तथा जीपीडीपी ऐप, फैसिलिटेटर फीडबैक तथा अन्य आवश्यक प्रविष्टियां शासनादेश के अनुरूप समय से पूर्ण कराई जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि पंचायत विकास योजनाएं Participatory Development Inde& (PDI) एवं स्थान-आधारित विकास दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाएं, ताकि प्रत्येक पंचायत की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं सहभागी विकास सुनिश्चित हो सके।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य योजनाओं में राज्य वित्त आयोग, केंद्रीय वित्त आयोग, स्वच्छ भारत मिशन, ग्राम स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पोषण, आपदा प्रबंधन, गरीबी उन्मूलन तथा अन्य अभिसरण आधारित योजनाओं का समुचित समावेश सुनिश्चित किया जाए, जिससे उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर समग्र ग्रामीण विकास को गति मिल सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी कार्यों की प्रगति की नियमित निगरानी की जाए तथा 15 अगस्त 2026 तक शासन द्वारा निर्धारित प्रत्येक लक्ष्य को पूर्ण करते हुए eGramSwaraj Portal पर शत-प्रतिशत अद्यतन सुनिश्चित किया जाए। निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण न करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल चलो अभियान रैली निकाल कर जागरूक किया गया

कालपी-उरई। विधालयो में छात्रांकन बढ़ाने के उद्देश्य से नगर शिक्षा अधिकारी रंगनाथ चौधरी की अगुवाई में शिक्षकों, बुद्धिजीवियों, जनप्रतिनिधियों ने जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है।

नगर कालपी में स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत रैली निकाल कर जागरूक किया गया। बीआरसी के शिक्षा भवन कालपी से नगर पालिका परिषद के सभासद अमरीश अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया। रैली के दौरान बच्चों ने सब पढ़े सब बड़े- हर बच्चा स्कूल जाए शिक्षा का अधिकार पाए। जैसे प्रेरक नारे लगाए। रैली में नगर शिक्षा अधिकारी रंगनाथ चौधरी, बृजभूषण तिवारी, अंकुल, प्रभारी प्रदीप निगम, प्रदेश अध्यक्ष यूपीएस कालपी संगीता श्रीवास्तव, मोहम्मद इसरार अहमद, त्वरित मिश्रा, शिवम बिश्नोई, लोकेश पाठक, राजीव त्रिपाठी, प्रियस द्विवेदी, प्रदीप कुमार निगम,अब्दुल खालिक, खालिद अंसारी आदि शिक्षकों के अलावा शिक्षा विभाग के कर्मचारियों का स्टाफ कार्यक्रम में शामिल रहै। रैली नगर के विभिन्न हिस्सों में भ्रमण किया। नगर शिक्षा अधिकारी रंगनाथ मिश्र ने बच्चों का स्कूलो में दाखिला कराने के लिये संवाद स्थापित किया।

सोनेलाल पटेल की जंयती : अमित शाह समेत कई नेताओं ने अपना दल के संस्थापक को किया याद

(यंग भारत न्यूज)

अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी, यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और नंद गोपाल नंदी ने श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें नमन किया.

गृहमंत्री अमित शाह ने social media प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'सामाजिक न्याय के अग्रदूत डॉ. सोनेलाल पटेल ने असमानता व अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का सशक्त संदेश दिया. उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन जनसेवा, सामाजिक समरसता और गरीबों के उत्थान के लिए समर्पित किया. उनके विचार और वंचितों को न्याय और सम्मान दिलाने का उनका संकल्प सदैव प्रेरणा देता रहेगा. 'अपना दल' के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती पर उन्हें नमन. ' उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ' 'अपना दल' के संस्थापक, सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक एवं जनप्रिय नेता सोनेलाल पटेल की जयंती पर शत-शत नमन. पिछड़ों, वंचितों और किसानों के

अधिकारों व सम्मान के लिए आपका संघर्ष, समर्पण और सेवा भाव सदैव प्रेरणादायी एवं स्मरणीय रहेगा. 'प्रदेश के @Chief Minister केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर लिखा, 'अपना दल के संस्थापक एवं समाज के वंचित एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन. सामाजिक न्याय, समान अवसर और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए उनका आजीवन संघर्ष सदैव प्रेरणादायी रहेगा. ' उत्तर प्रदेश Government में मंत्री नंद गोपाल नंदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ' 'अपना दल' के संस्थापक, सामाजिक न्याय एवं समरसता के अग्रदूत डॉ सोनेलाल पटेल की जयंती पर कोटि-कोटि नमन. वंचितों एवं पिछड़ों के अधिकारों व उनके उत्थान के लिए समर्पित उनका संपूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है. 'बता दें कि सोनेलाल पटेल का जन्म 2 जुलाई 1950 को कन्नौज जिले के बागुलहाई गांव में एक कुर्मी हिंदू परिवार में हुआ था. वह उत्तर प्रदेश में सक्रिय एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे. वह Political दल 'अपना दल' के संस्थापक थे. उन्होंने जातिवाद का कड़ा विरोध किया और सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ाई लड़ी. पटेल ने चौधरी चरण सिंह के साथ हाथ मिलाकर अपनी Political यात्रा शुरू की और राज्य और देश के अन्य हिस्सों में सामाजिक असमानता और जातिगत शोषण के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों और रैलियों में सक्रिय रूप से भाग लिया. सोनेलाल पटेल की 2009 में Kanpur में एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी.

राम मंदिर चढ़ावा मामलाः किसके पास मिला कितना धन? एसआईटी ने कोर्ट में पेश की लिस्ट, जानकर उड़ जाएंगे होश

(यंग भारत न्यूज)

राम मंदिर में दान और चढ़ावे की धनराशि के गबन की विशेष जांच टीम एसआईटी द्वारा जांच तेज कर दी गई है। इस बीच एसआईटी जांच में मंदिर कर्मचारियों के बीच के गहरे गठजोड़ का पता चला है। इससे यह स्पष्ट होता है कि कैसे उन्होंने सभी नियमों का उल्लंघन किया और राम भक्तों के विश्वास को तोड़कर अपनी जेबें भरीं।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी कांड में नए खुलासों में आठ में से सात आरोपियों से बरामद नकदी की राशि की जानकारी सामने आई है। आरोपियों द्वारा मंदिर से करोड़ों रुपए और कीमती सामान चुराए जाने की खबरें हैं, लेकिन रिकॉर्ड में 79.85 लाख रुपए की चोरी दर्ज की गई है। जांच टीम ने कोर्ट में दस्तावेज पेश कर दिया है। इसमें कई अहम खुलासा हुआ है। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार, लवकुश और अनुकल्प मिश्रा से भारी मात्रा में नकदी जब्त की गई है, जबकि कथित लूट के सबसे चर्चित चेहरे के रूप में उभरे राम शंकर यादव उर्फ ??तिन्नू यादव को 1 लाख रुपए नकद छिपाते हुए पकड़ा गया है। दस्तावेजों के अनुसार, लवकुश मिश्रा से 14.25 लाख रुपए और अनुकल्प मिश्रा से 16.82 लाख रुपए बरामद किए गए हैं। आरोपी अविनाश शुक्ला के पास से मंदिर में चढ़ावे से अवैध रूप से प्राप्त की गई भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। उससे 20.39 लाख रुपए की बड़ी रकम बरामद की गई। पुलिस ने जांच के दौरान उसके पास से डॉलर और कुछ अन्य मुद्रा भी बरामद की। अविनाश के परिसर से जब्त की गई नकदी में 500 रुपए के 3,600 से अधिक नोट, 200 रुपए के 500 से अधिक नोट और 10, 20 और 50 रुपए के नोट शामिल हैं। इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि उसने यह सब मंदिर में चढ़ावे से अर्जित किया था। करुणेश पांडे एक अन्य आरोपी है, जिससे 500, 200, 50, 10 और 20 रुपए के नोट बरामद किए गए। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, पुलिस ने उसके पास से कुल 18.07 लाख रुपए नकद बरामद किए, जबकि आरोपी रामाशंकर मिश्रा ने भी 7.32 लाख रुपए की अवैध संपत्ति और चांदी सहित कुछ सफेद धातुएं अर्जित कीं। उसके पास जमा नकदी में 500 रुपए, 200 रुपए, 20 रुपए और 10 रुपए के नोट भी शामिल थे। वहीं, आरोपी मनीष कुमार यादव और राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू के पास से क्रमशः 2 लाख रुपए और 1 लाख रुपए बरामद हुए, जो कथित तौर पर श्रद्धालुओं के चढ़ावे से चुराए गए थे। एसआईटी के गठन के बाद, पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया, जिनके नाम अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रामशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव हैं। इन सभी पर राम मंदिर के दान पेटियों से नकदी और कीमती सामान की हेराफेरी करने की साजिश रचने का आरोप है।

पौत्री से रेप और ब्लैकमेलिंग से आहत दादा ने दम तोड़ा, आरोपितों ने युवती के मंगेतर को भी भेजे अश्लील वीडियो

(यंग भारत न्यूज)

बेहट (सहारनपुर)। बेहट क्षेत्र में पौत्री के साथ दुष्कर्म और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किए जाने से आहत व्यक्ति ने सदमे में दम तोड़ दिया। परिवार ने लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने का भी आरोप लगाया। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने युवती की मां की तहरीर पर चार नामजद समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मुकदमे के अनुसार पीड़िता की मां ने कहा कि उसकी बेटी इंटर कॉलेज में पढ़ती थी। इसी दौरान वर्ष 2017 में एक युवक उसकी बेटी से अभद्र व्यवहार करता था। जिसका वह बेटी विरोध करती थी। आरोप है कि बाद में उसने पुरानी रंजिश के चलते उसकी बेटी के अश्लील फोटो और वीडियो बना कर

सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। उसे मिलने के लिए ब्लैकमेल करते हुए मजबूर किया गया। आरोप है कि एक स्थान पर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर उसकी बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया तथा उसकी आपत्तिजनक वीडियो बनाकर लगातार ब्लैकमेल किया जाता रहा। यह भी आरोप है कि आरोपित युवक, युवती और उसके परिवार को जान से मारने तथा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की लगातार धमकी देते रहे। ऐसे हालात में परिवार मानसिक तनाव में आ गया। पीड़िता की मां का कहना है कि उन्होंने अपनी बेटी शादी के लिए रिश्ता भी तय कर दिया था, लेकिन आरोप है कि आरोपित ने अश्लील वीडियो उसके मंगेतर तक को भेज दिए। जिससे परिवार और सदमे में आ गया। इसी सदमे के चलते पीड़िता के बाबा की भी मौत हो गई। मुकदमे में नामजद किए गए आरोपितों में अजय नौटियल निवासी कस्बा बेहट, आशीष चौहान निवासी गांव अलीपुरा नौगांवा थाना मिर्जापुर, विनोद कुमार पेगवाल व कैंट कुमार के साथ ही एक अज्ञात को भी शामिल किया गया है।

'विशाल' बनकर 'इरशाद' ने दो-दो हिंदू लड़कियों संग रचाई शादी

-जबरन खिलाई मीट, फिर क्रूरता की हदें पार; बजरंग दल की शिकायत पर पुलिस ने दबोचा!

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के कानपुर से धोखे से प्यार के जाल में फंसाकर धर्म परिवर्तन कराने का मामला सामने आ रहा है. यह घटना पनकी इलाके की बताई जा रही है, जहां एक मुस्लिम युवक इरशाद, जो अपने आप को आगरा का जूता व्यापारी बताता है कानपुर मे विशाल बनकर रह रहा था.

युवक ने अपनी पहचान छिपाकर एक हिंदू युवती से शादी की और बच्चे के साथ एक कमरे में बंदी बना दिया. युवती का आरोप है कि युवक ने लगातार उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जिसके लिए वो उसे मीट खिलाता था और पूजा-पाठ करने से भी रोकता था. महिला के विरोध करने पर न सिर्फ उसको कैद कर लिया, बल्कि दूसरे कमरे में बहन को भी बंधी बनाकर रखा. महिला ने जैसे-तैसे बजरंग दल से संपर्क किया और पुलिस

के रेस्क्यू ऑपरेशन के माध्यम से अपनी जान बचाई. आजतक की रिपोर्ट के मुताबिक, युवक ने अपना पहचान आगरा के ऑनलाइन जूता कारोबारी विशाल के तौर पर बताई और युवती को प्यार के जाल में फंसा लिया. दोनों काफी समय तक रिलेशनशिप में रहे, आखिर में दोनों ने शादी कर ली और एक साथ लखनऊ में रहने लगे. दोनों की मुलाकात ऑफिस में हुई थी, जिसके बाद युवती ने घर वालों को बिना बताए कोर्ट मैरिज कर ली थी. महिला का आरोप है कि युवक ने लंबे समय तक उससे अपनी सच्चाई छिपाई. जब असली मामला सामने आया तो युवती को पहले लखनऊ के घर में कैद किया, फिर कानपुर में बंदी बनाकर प्रताड़नाएं दी. महिला ने बताया कि पनकी के फ्लैट में बंधन बनाकर इरशाद उसके साथ शारिरिक और मानसिक क्रूरता करता. उसे और उसके बच्चे को पूजा-पाठ करने से रोकता. बच्चे का मुस्लिम नाम रखा और महिला का भी जबरन मीट खिलाकर धर्म परिवर्तन कराना चाहता था. इन सभी प्रताड़नाओं के बीच, जब महिला ने विरोध किया तो बच्चे और मां दोनों को जान से मारने की धमकी दी. यह सिलसिला यही नहीं थमा. इरशाद ने एक और हिंदू लड़की से दूसरी शादी कर ली जिसे वो अपनी बहन बताता था लेकिन रात को उसी के साथ समय बिताता था. महिला ने काफी बार से भागने या खुद को बचाने की कोशिश की, लेकिन वो सफल नहीं हो पाई. पुलिस को दिए बयान में महिला ने बताया कि उसने अपने पड़ोसियों से बजरंग दल वालों का नंबर लिया और अपनी साथ हुई वारदात के बारे में जानकारी दी. इस मामले में बजरंग दल के शीर्ष पदाधिकारी ने पुलिस से संपर्क किया और पुलिस ने इरशाद के फ्लैट पर छापेमारी की. जहां शिकायतकर्ता हरदोई की अनुक्रति पांडे के साथ-साथ एक और हिंदु युवती को अलग-अलग कमरों से आजाद कराया गया. पनकी पुलिस ने महिलाओं को आजाद कराया और उनकी आधिकारिक शिकायत आरोपी इरशाद को भी गिरफ्तार कर लिया है. पीड़िता ने पुलिस के समक्ष गुहार लगाई है कि उसे धोखे में रखकर काफी प्रताड़ित किया गया है. वो अकेली है और अब अपने घर जाना चाहती है. हालांकि पुलिस की टीम अभी-भी दूसरी हिंदू महिला से पूछताछ कर रही है और अन्य एंगल से केस की जांच कर रही है. इस मामले के मुख्य आरोपी इरशाद से भी हिरासत में कड़ी पूछताछ की जा रही है.

फेसबुक की 'दुल्हन' निकला पुरुषः शादी के बाद खुली पोल, तो पति ने ले ली जान

(यंग भारत न्यूज)

शोसल मीडिया पर हुई दोस्ती कैसे एक क्रूर हत्या में तब्दील हो सकती है, इसका एक चौंकाने वाला मामला राजकोट ग्रामीण के शापर-वेरावल से सामने आया है. फेसबुक और इंस्टाग्राम पर लड़की के रूप में झूठी पहचान देकर एक युवक से शादी करने और बाद में सामने वाले व्यक्ति के समलैंगिक (गे) होने का खुलासा होने पर तीन साल से चल रहा विवाद आखिरकार खूनी खेल में बदल गया.

राजकोट ग्रामीण पुलिस ने गिनती के दिनों में ही इस अंधे कत्ल का रहस्य सुलझाकर उत्तर प्रदेश के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. बीते 25 जून को शापर-वेरावल के पास मस्कत फाटक के पास रेलवे की दीवार के नजदीक महिला के कपड़े पहने हुए एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिला था. प्राथमिक तौर पर पुलिस ने दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया था, लेकिन फोरेंसिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर गंभीर चोटें पाए जाने के बाद यह साफ हो गया कि यह मामला हत्या का है. जिला पुलिस प्रमुख के निर्देश पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, टेक्निकल सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर जांच तेज की और उत्तर प्रदेश के 20 वर्षीय आरोपी पीयूष कुमार खरवार को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया, जिसके बाद पूरी घटना से पर्दा उठ गया. पुलिस जांच में जो जानकारियां सामने आई हैं, वे किसी फिल्मी कहानी को भी मात देने वाली हैं. हैदराबाद में रहने के दौरान पीयूष का संपर्क फेसबुक पर 'निशा कुमार' और इंस्टाग्राम पर 'पूनम' नाम की आईडी चलाने वाले चंदन कुमार से हुआ था. चंदन ने खुद को लड़की बताकर पीयूष का भरोसा जीता था. दोनों साथ रहने लगे थे. धार्मिक मन्नत का बहाना बनाकर चंदन शारीरिक संबंधों से दूरी बनाए रखता था. इस बीच पीयूष ने चंदन की मांग में सिंदूर भरकर उसे अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया था. एक दिन चंदन को शेविंग करते देख पीयूष के पैरों तले जमीन खिसक गई. उसे पता चला कि जिसे वह अपनी पत्नी मान रहा है, वह लड़की नहीं बल्कि एक पुरुष है और समलैंगिक संबंधों में रुचि रखता है. इसके बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया. पीयूष रोजगार के लिए जहां भी जाता, चंदन भी उसके पीछे-पीछे वहां पहुंच जाता था. हैदराबाद से यूपी, राजस्थान और आखिरकार राजकोट के पडवला तक यह विवाद खिंचता चला गया. 21 जून को पडवला स्थित एक कारखाने में दोनों के बीच फिर से तीखी बहस हुई. गुस्से में आकर आरोपी पीयूष चंदन को रेलवे ट्रैक के पास एक सुनसान जगह पर ले गया और बड़े पत्थरों से उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर वार कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी. अपना पाप छिपाने के लिए उसने लाश को पत्थरों से ढक दिया और खुद सामान्य रूप से कारखाने में काम पर लौट गया.

जीजा-साले मिलकर डकार गए रामलला के करोड़ों रुपये, अनुकल्प मिश्रा की दादी बोलीं- 'मेरा पोता तो...'

भव्य राम मंदिर में आए चढ़ावे और चंदे की भारी चोरी के मामले की तफ्तीश कर रही पुलिस टीम ने जब इस पूरे महाघोटाले के मुख्य किरदारों में से एक, अनुकल्प मिश्रा के पुश्तैनी ठिकाने पर अचानक छापा मारा, तो वहां की हकीकत देखकर हर कोई दंग रह गया. एक तरफ जहां जांच एजेंसियां अपनी फाइलों में अनुकल्प मिश्रा को इस पूरे काले कारोबार का सबसे शातिर मास्टरमाइंड मानकर चल रही हैं, वहीं दूसरी तरफ घर के भीतर उसकी बुजुर्ग दादी अपने पोते के संस्कारी होने के कसीदे पढ़ते नहीं थक रहीं. अनुकल्प मिश्रा की दादी सीता देवी ने कैमरे के सामने बेहद कड़े लहजे में पत्रकारों से बात करते हुए अपने पोते का बचाव किया. उन्होंने कहा कि उनका अनुकल्प बेहद सीधा-साधा, शांत और बहुत ही प्यारा बच्चा है, जो कभी किसी दूसरे की बुराई या चुगली करने में अपना समय बर्बाद नहीं करता. दादी ने यह भी दावा किया कि उनका पोता आम आवारा लड़कों की तरह कभी गलियों में फालतू नहीं घूमता और उसे तो आज तक गुटखा या पान मसाला चबाने जैसी कोई भी खराब लत नहीं लगी है. भले ही परिवार के लोग अनुकल्प की सादगी की दुहाई दे रहे हों, लेकिन अयोध्या पुलिस के पास मौजूद पक्के सबूतों की कहानी इससे बिल्कुल जुदा है. सरकारी जांच में यह सनसनीखेज बात सामने आई है कि रामलला के दरबार में हुई इस ऐतिहासिक चोरी की सबसे मोटी रकम को किसी और ने नहीं, बल्कि आपस में जीजा-साले लगने वाले अनुकल्प मिश्रा और लवकुश मिश्रा की जोड़ी ने मिलकर ठिकाने लगाया है. पुलिस के आला अधिकारियों के मुताबिक इन दोनों रिश्तेदारों ने भगवान के चंदे के पवित्र पैसों का इस्तेमाल अपनी बेहद महंगी सुख-सुविधाओं, ऐशो-आराम के शौक पूरे करने और बेशकीमती जमीन-मकान खरीदने के लिए किया. पुलिस विभाग ने अब तक की शुरुआती जांच में ही इन दोनों शातिर आरोपियों के नाम पर दर्ज हो चुकी आधे दर्जन से भी ज्यादा नई प्रॉपर्टीज और

गुप्त जमीनों के पक्के कागजात ढूंढ निकाले हैं, जिनकी बाजार में कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है. अयोध्या पुलिस ने एक और बेहद चौंकाने वाला पर्दाफाश करते हुए बताया कि मंदिर के खजाने में सबसे बड़ी सेंधमारी साल 2025 की शुरुआत में आयोजित हुए पावन कुंभ मेले के दौरान लगाई गई थी. पुलिस के अनुसार पकड़े गए सभी 8 मुख्य आरोपी कुंभ मेले के आयोजन से काफी पहले से ही दानपात्र से छोटी-मोटी रकम पार करने का धंधा कर रहे थे. लेकिन साल 2025 में जब कुंभ की वजह से देश और दुनिया के कोने-कोने से आए करोड़ों श्रद्धालुओं के भारी चढ़ावे के कारण मंदिर की कमाई में अचानक रिकॉर्ड तोड़ उछाल आया, तो इन सभी की नीयत पूरी तरह डोल गई. इसके बाद इन सबने मिलकर एक संगठित गैंग तैयार किया और चंदे के एक बहुत बड़े हिस्से को गायब कर दिया. मामले की भयानकता को देखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस अब इस पूरे केस की फाइल देश की सबसे बड़ी केंद्रीय जांच एजेंसियों को सौंपने की पूरी तैयारी कर चुकी है. आरोपियों द्वारा खड़ी की गई बेहिसाब अवैध संपत्तियों का असली सच उजागर करने के लिए आयकर विभाग की विशेष मदद ली जा रही है. इसके साथ ही भारी-भरकम रकम के लेन-देन और बैंक खातों के जरिए हुए ट्रांसफर के गुप्त रास्तों यानी मनी ट्रेल का पता लगाने के लिए पुलिस बहुत जल्द ही प्रवर्तन निदेशालय (श्रष्ठ) को एक आधिकारिक पत्र भेजने वाली है.

मैक्सिको ने 40 साल बाद जीता नॉकआउट मुकाबला

इक्वाडोर को 2-0 से पीटा, एज्टेका में अजेय रथ जारी

एजेंसी ▶▶ मैक्सिको सिटी

जूलियन क्विनोन्स और राउल जिमेनेज ने पहले हाफ में 9 मिनट के अंतराल में गोल किए, जिससे मैक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई और नॉकआउट चरण में जीत हासिल करने के 40 साल के सूखे को खत्म किया।

क्विनोनेस ने 22वें मिनट में मैक्सिको के लिए पहला गोल किया जबकि जिमेनेज ने 31वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। प्रतिष्ठित एज्टेका स्टेडियम में मैक्सिको की टीम ने 10 विश्व कप मैचों में अजेय रहने का रिकॉर्ड बनाया है। इस मैदान पर मैक्सिको को केवल दो हार का सामना करना पड़ा है।

अंतिम 16 में लगातार सात बार हारा मैक्सिको

मैक्सिको की टीम ने 1986 में टूर्नामेंट की मेजबानी करते हुए राउंड ऑफ 16 में बुल्गारिया को हराने के बाद से नॉकआउट चरण का कोई मैच नहीं जीता था। इसके बाद मैक्सिको को 1994, 1998, 2002, 2006, 2010, 2014 और 2018 के विश्व कप में अंतिम 16 में लगातार सात बार हार का सामना करना पड़ा। यह क्वार्टर में 2022 में खेले गए विश्व कप में ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया था। मैक्सिको रविवार को अपने घरेलू मैदान पर इंग्लैंड और घाना के बीच बुधवार को होने वाले मैच के विजेता का सामना करेगा।

नॉकआउट के नए 'किंग' एमबाप्पे, रचा कीर्तिमान

स्टार फुटबॉलर काइलियन एमबाप्पे ने फ्रांस की स्वीडन के खिलाफ 3-0 से जीत में दो गोल करके विश्व कप के नॉकआउट राउंड में सर्वाधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड बनाया, जिससे वह फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर सर्वाधिक गोल करने के लियोनेल मेस्सी के रिकॉर्ड के करीब भी पहुंच गए।

ईस्ट रदरफोर्ड

एमबाप्पे ने 45वें मिनट में एक शानदार क्रॉसओवर शॉट से फ्रांस को बढ़त दिलाई। यह विश्व कप के नॉकआउट राउंड में उनका नौवां गोल था, जो विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने ब्राजील के दिग्गज लियोनिडास और रोनाल्डो (दोनों आठ-आठ गोल) को पीछे छोड़ा।

वह यहीं पर नहीं रुके और उन्होंने मैच के 74वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके विश्व कप नॉकआउट राउंड में अपने कुल गोल की संख्या 10 तक पहुंचा दी। इस गोल से एमबाप्पे के मौजूदा टूर्नामेंट में अब छह गोल हो गए हैं और उन्होंने सर्वाधिक गोल करने के लिए मिलने वाले गोल्डन बूट की दौड़ में अर्जेंटीना के फॉरवर्ड मेस्सी की बराबरी कर ली है।

मेस्सी के रिकॉर्ड से बस 1 गोल पीछे एमबाप्पे

विश्व कप करियर में उनके कुल गोल की संख्या 18 हो गई है, जो मेस्सी के रिकॉर्ड से सिर्फ एक कम है। एमबाप्पे ने विश्व कप में अब तक कुल 18 जबकि मेस्सी ने 29 मैच खेले हैं। फ्रांस अब अपने अगले मैच में पराग्वे का सामना करेगा। एमबाप्पे से जब मैदान से बाहर आते समय पूछा गया कि क्या वह पराग्वे का सामना करने के लिए पहले से ही उत्साहित हैं, तो उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, "मैं चेंजिंग रूम और एसी में जाने के लिए बेताब हूं।" एमबाप्पे ने यह टिप्पणी भीषण गर्मी को लेकर की। यह मैच जब शाम को पांच बजे शुरू हुआ तब तापमान 32 डिग्री सेल्सियस था और उमस भी काफी थी।

विश्व कप का पूरा आनंद लेना चाहता हूं: एमबाप्पे

एमबाप्पे ने कहा, 'मैंने पहले भी कहा था कि मैं इस विश्व कप का पूरा आनंद लेना चाहता हूं। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैंने पिछले विश्व कप का आनंद नहीं लिया, लेकिन तब मैं युवा था। मेरा ध्यान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर था लेकिन अब मुझे विश्वास है कि मैं अच्छा प्रदर्शन करने के साथ खेल का आनंद भी ले सकता हूं।'

फ्रांस ने स्वीडन को 3-0 से हराया

काइलियन एमबाप्पे के दो गोल की मदद से फ्रांस ने स्वीडन को 3-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में जगह बनाई, जहां उसका सामना पराग्वे से होगा। फ्रांस के लिए बेंचली बारकोला ने भी 53वें मिनट में एक गोल किया। एमबाप्पे ने 74वें मिनट में टीम की तरफ से तीसरा गोल दागकर उसकी जीत सुनिश्चित कर दी। चार साल पहले विश्व कप में उपविजेता रही और इस बार टूर्नामेंट की प्रबल दावेदार फ्रांस ने अब तक टूर्नामेंट में 13 गोल किए हैं और उसके खिलाफ केवल दो गोल हुए हैं। उसकी तरफ से माइकल ओलिस ने पांच गोल में मदद की है। फ्रांस ने मैच में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और स्वीडन को किसी भी समय वापसी का खास मौका नहीं दिया। फ्रांस ने इस मैच में 25 बार गोल करने के मौके बनाए जबकि स्वीडन केवल सात बार ही ऐसा कर पाया। पहले हाफ में यह आंकड़ा 15-3 का था।

लगातार तीसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचने की कवायद में लगा फ्रांस 4 जुलाई को फिलाडेल्फिया में पराग्वे के खिलाफ खेलेगा, जिसने जर्मनी को बाहर का

हिनकैपी को मुंह ढकना पड़ा भारी, मिला रेड कार्ड

मैक्सिको सिटी

इक्वाडोर के पिएरो हिनकैपी विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के नए नियम के तहत विश्व कप में लाल कार्ड पाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस नियम में प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ी के साथ बहस के दौरान मुंह ढकने पर खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाकर बाहर करने का प्रावधान है। मैक्सिको की राउंड ऑफ 32 में इक्वाडोर पर 2-0 से जीत के दौरान हिनकैपी को दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के पांचवें मिनट में बाहर भेज दिया गया था। उन्हें मैक्सिको के फॉरवर्ड सैंटी गिमेनेज के साथ झड़प के दौरान मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड दिखाया गया था।

इक्वाडोर टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है लेकिन हिनकैपी उसके अगले अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेल पाएंगे। फीफा ने यह नया नियम इसलिए बनाया है ताकि खिलाड़ी अपने मुंह को ढककर विरोधी टीम के खिलाड़ियों के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों को छुपा न सकें। पराग्वे के मिगुएल अल्मिरोन इस नए नियम के तहत दंडित होने वाले पहले खिलाड़ी थे। उन्हें पिछले सप्ताह तुर्की के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में मैदान से बाहर भेज दिया गया था।

राउंड आफ 32 के मैच में एक फैन अपनी टीम की जीत के बाद खुशी का इजहार करती हुई।

खबर संक्षेप

अंडर-19 : श्रीलंका के खिलाफ 3 वनडे खेलेगी भारतीय टीम

कोलंबो। विमथ दिनसारा भारत के खिलाफ होने वाली अंडर-19 श्रृंखला में श्रीलंका की कप्तानी करेंगे जबकि कवीजा गमागे को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। भारत इस दौरे में श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला और 2 मैचों की चार दिवसीय श्रृंखला खेलेगा। एक दिवसीय मैच 4, 6 और 9 जुलाई को हंबनटोटा में खेले जाएंगे। पहला चार दिवसीय मैच 13 जुलाई से गॉल में और दूसरा मैच 20 जुलाई से कोलंबो में खेला जाएगा।

25 जुलाई से डूरंड कप हिस्सा लेंगी 24 टीमें

कोलकाता। डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में इस साल 24 टीम हिस्सा लेंगी, जिनमें से सात टीम पदार्पण कर रही हैं। प्रतियोगिता के मुकाबले 25 जुलाई से 23 अगस्त तक पांच शहरों में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 25 जुलाई को कोलकाता में होगी। इसके अलावा आने वाले हफ्तों में रांची, इम्फाल, शिलांग और गुवाहाटी में भी मैच खेले जाएंगे। फाइनल कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होगा। इस प्रतियोगिता में एक बार फिर इंडियन सुपर लीग क्लब, आई लीग टीमें, सेना की टीमें, उभरती हुई घरेलू टीमें और विदेशी टीमें एक साथ खेलेंगी। सात नई टीम में श्रीलंकाई सशस्त्र बलों की डिफेंडर्स एफसी और मेघालय प्रीमियर लीग चैंपियन नोंगसेह स्पोर्ट्स, सोशल एंड कल्चरल क्लब (एसएससी एवं सीसी) शामिल हैं। कोलकाता एक बार फिर टूर्नामेंट का मुख्य केंद्र होगा। यहां विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन और किशोर भारती क्रीड़ांगन में दो ग्रुप के मैच, उद्घाटन मैच, दो क्वार्टर फाइनल, एक सेमीफाइनल और फाइनल खेला जाएगा।

विंबलडन

चार साल बाद सेरेना की कोर्ट पर वापसी, दर्शकों का उत्साह चरम पर

लंदन

लगभग 4 साल में अपना पहला एकल मैच खेलने वाली सेरेना विलियम्स को विंबलडन में वापसी पर भले ही हार का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने खेल का पूरा आनंद लिया और इस बीच दर्शकों का उत्साह भी चरम पर था। इस 44 वर्षीय खिलाड़ी ने जैसे ही सेंटर कोर्ट पर कदम रखा तो उत्साह और बढ़ गया। 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना ने विंबलडन के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से 6-3, 6-7 (6), 6-3 से हारने के बावजूद सराहनीय प्रदर्शन किया। उनकी दोनों बेटियां उनका उत्साह बढ़ा रही थीं। मैच समाप्त होने के बाद सेरेना तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मुस्कुराते हुए मैदान से बाहर चली गईं।

120 मील प्रति घंटे की गति से सर्विस

सेरेना ने मैच के दौरान दिखाया कि वह अब भी 120 मील प्रति घंटे से अधिक की गति से सर्व कर सकती हैं और अपने ग्राउंडस्ट्रोक से अंक हासिल कर सकती हैं। हालांकि उनके लिए मूवमेंट एक समस्या थी। यही वजह थी 87वीं रैंकिंग की खिलाड़ी जॉइंट ने अमेरिकी खिलाड़ी की पहुंच से बाहर शॉट मारकर अधिक अंक जीतने में सफल रहीं। सेरेना अब महिला युगल मैच में अपना भाग्य आजमाएंगी, जहां उन्होंने अपनी बड़ी बहन वीनस के साथ जोड़ी बनाई है।

विंबलडनः दूसरे दौर में पहुंचे जिजू बर्ग्स, हम्बर्ट को दी मात

लंदन (एजेंसी)। जिजू बर्ग्स ने 48 घंटे से भी कम समय में दूसरी बार यूगो हम्बर्ट की चुनौती का सामना किया। इस बार यह मुकाबला विंबलडन के ऑल-इंग्लैंड क्लब में पुरुषों के सिंगल्स के पहले राउंड में हुआ, जिसमें उन्होंने ईस्टबोर्न फाइनल में मिली अपनी जीत को दोहराया। बर्ग्स ने नंबर 27 सीड खिलाड़ी के खिलाफ शानदार शुरुआत की। जब हम्बर्ट ने वापसी की कोशिश की, तो बर्ग्स डटे रहे और कोर्ट 17 पर 6-2, 7-5, 4-6, 3-6, 6-3 से जीत हासिल की। बेल्जियम के इस खिलाड़ी ने रविवार को ईस्टबोर्न फाइनल में पहला सेट गंवाने के बाद हम्बर्ट को हराया था।

आईसीसी रैंकिंगः ईशान बने नंबर-1 बल्लेबाज, अभिषेक को पछाड़ा

दुबई

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन ने जारी आईसीसी की पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। किशन (876 रैंकिंग अंक) के शीर्ष पर पहुंचने में इसी साल हुए टी20 विश्व कप में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है।

विश्व कप में बाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज ने लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए। उन्हें कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया था। अभिषेक (869) लगभग 12 महीने तक शीर्ष पर रहे। किशन और अभिषेक से पहले भारतीय खिलाड़ियों में विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 848 अंक के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

तिलक छठे स्थान पर काबिज

नवीनतम सूची में भारत के नए उपकप्तान तिलक वर्मा (747) छठे स्थान पर बने हुए हैं जबकि पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव एक स्थान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गए हैं। गेंदबाजों में भारत के वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह एक-एक स्थान के नुकसान से क्रमशः तीसरे और छठे स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान शीर्ष पर बने हुए हैं।

गिल को एक स्थान का फायदा

पुरुषों की टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में ट्रेविस हेड शीर्ष पर पहुंच गए हैं जबकि जो रूट तीसरे स्थान पर खिसक गए। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल एक स्थान के फायदे से छठे पायदान पर हैं जबकि यशस्वी जायसवाल एक स्थान नीचे खिसककर नौवें स्थान पर हैं। शीर्ष 10 से बाहर बल्लेबाजों में ऋषभ पंत 13वें स्थान के साथ सबसे अच्छी रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। गेंदबाजों में बुमराह भारत के शीर्ष खिलाड़ी हैं।

श्रीसंत को मिली बड़ी खुशखबरी केसीए ने हटाया 3 साल का बैन

तिरुवनंतपुरम

केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एस श्रीसंत पर पिछले साल लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को हटा लिया। यह प्रतिबंध केसीए के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के कारण लगाया गया था। केसीए के बयान के मुताबिक उसकी आम सभा की विशेष बैठक में प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। बयान में कहा गया, 'बैठक में

सर्वसम्मति से प्रतिबंध हटाने का फैसला किया गया। साथ ही केसीए ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि अगर वह भविष्य में ऐसी हरकतें दोहराते हैं तो उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अंडर-20 एशियन कुश्ती : धीरज और नीरज ने जीते कांस्य

रोहतक

थाईलैंड में आयोजित की जा रही अंडर-20 एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में भारतीय पहलवानों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रतियोगिता के दौरान देश के दो होनहार युवा खिलाड़ियों ने मैट पर अपने बेहतरीन दांव-पेंच का लोहा मनवाते हुए देश की झोली में दो कांस्य (ब्रॉन्ज) पदक डाले हैं। प्रतियोगिता के ग्रीको रोमन स्टाइल के 77 किलोग्राम भारवर्ग में धीरज मलिक ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक पर

धीरज मलिक।

नीरज पटेल।

कब्जा किया। वहीं, दूसरी ओर 55 किलोग्राम भारवर्ग में मध्यप्रदेश के नीरज पटेल ने अपने जबरदस्त तकनीकी कौशल और सूझबूझ का परिचय देते हुए विरोधी को चित किया और देश के लिए दूसरा कांस्य पदक जीता। खिलाड़ियों की इस अंतरराष्ट्रीय सफलता पर खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है।

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि अंडर-20 एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में धीरज मलिक और नीरज पटेल की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि हमारी जमीनी स्तर की प्रतिभाएं अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ग्रीको रोमन शैली में पदक जीतना यह दर्शाता है कि हमारे पहलवान अब हर फॉर्मेट में खुद को मजबूत कर रहे हैं।

एशिया जूनियर चैंपियनशिपः तन्वी पत्री की पुरवांतो पर आसान जीत

संतोष ने किया उलटफेर, छठे वरीय प्रेमपुंगपोंग को हराया

यासुटियो

ध्यान संतोष ने थाईलैंड के छठी वरीयता प्राप्त पुन्नानान प्रेमपुंगपोंग को हराकर उलटफेर करते हुए बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के पहले दौर में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की अगुआई की। संतोष ने लड़कों के एकल वर्ग के पहले दौर में प्रेमपुंगपोंग को 21-17, 21-18 से हराया।

रूपारेलिया ने रांडिलिगामा को दिखाया बाहर का रास्ता

तन्वी पत्री ने लड़कियों के एकल वर्ग के शुरुआती दौर में इंडोनेशिया की क्रिस्टाबेल पुरवांतो के खिलाफ 21-18, 21-6 की आसान जीत दर्ज की जबकि पांचवीं वरीयता प्राप्त रूपारेलिया ने श्रीलंका की पमुदु रांडिलिगामा को 21-13, 16-21, 21-7 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में आदर्शिनी श्री ने मलेशिया की ली के शिन को 21-12, 21-12 से हराया लेकिन अभिनव गर्ग को मलेशिया के लुकास लौ के खिलाफ 13-21, 22-24 से हार का सामना करना पड़ा।

कनाडा ओपन : अच्युतादित्य अर्जुन की जोड़ी बाहर

मार्खम। अच्युतादित्य राव डोड्डावरपु और एमआर अर्जुन की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी सीधे गेम में हारकर कनाडा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में ही बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी को इस सुपर 300 प्रतियोगिता के पहले दौर में कनाडा के केविन ली और टाइ अलेक्जेंडर लिंडमैन की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से केवल 23 मिनट में 9-21, 7-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की निगाहें पुरुष एकल स्पर्धा में चौथी वरीयता प्राप्त किदांबी श्रीकांत पर टिकी हैं, जो पहले दौर में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ली जी जिया का सामना करेंगे। महिला एकल में आकर्षी कश्यप, देविका सिहाग, अनमोल खरब, श्रिया मल्लेपल्ली, सतीश करुणाकरन और तस्नीम मीर अपनी चुनौती पेश करेंगे।

टेबल टेनिस चैंपियनशिप

सेमीफाइनल में अभिनंद- दिव्यांशी

ताशकंद

पीबी अभिनंद और दिव्यांशी भौमिक की भारत की शीर्ष वरीय अंडर-19 मिश्रित जोड़ी ने एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में चीन की जोड़ी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में चीन के विरेन तांग और यियी जियांग पर 11-9, 11-6, 11-7 की शानदार जीत के साथ अभिनंद और दिव्यांशी ने ना केवल अंतिम चार में जगह पक्की की बल्कि इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय चैंपियनशिप में देश के लिए कम से कम कांस्य पदक भी पक्का कर लिया।

अभिनंद और दिव्यांशी सेमीफाइनल में थितफल प्रेचायान और कुलापस्स विजितविरियागुल की थाईलैंड की जोड़ी से भिड़ेंगी। स्थानीय जोड़ी को घरेलू दर्शकों का समर्थन तो मिलेगा लेकिन टूर्नामेंट की शीर्ष वरीय जोड़ी को रोकना उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। रित्विक भट्टाचार्य और सिंड्रेला दास की भारत की दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी ने भी प्रभावित किया लेकिन वे क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए।

उमस भरी गर्मी में हैवी वर्कआउट करने से डिहाइड्रेशन की आशंका बढ़ जाती है। ऐसा आपके साथ न हो, इसके लिए आपको वर्कआउट करने से पहले लिक्विड डाइट जरूर लेना चाहिए। इससे आपकी बॉडी में हाइड्रेशन लेवल मेंटेन रहेगा।

प्री-वर्कआउट ड्रिंक्स बॉडी रहेगी हाइड्रेटेड

सजेशन
ललिता गोयल

शरीर को फिट रहने के लिए कुछ लोग जिम में हैवी वर्कआउट जरूर करते हैं, लेकिन इस दौरान अगर वे खाली पेट रहते हैं, शरीर के लिए सही नहीं होता है। इसके कारण वे कमजोरी महसूस कर सकते हैं और उनका ब्लड प्रेशर भी लो हो सकता है। हाइड्रेशन लेवल कम होने पर वे बेहोश भी हो सकते हैं। इससे बचने के लिए जिम में वर्कआउट करने से पहले कुछ नेचुरल प्री-वर्कआउट ड्रिंक्स पीना फायदेमंद होता है, जो वर्कआउट के दौरान एनर्जी लेवल बढ़ाने में मदद करते हैं। लेकिन अगर आपको कोई स्वास्थ्य समस्या रहती है तो एक्सपर्ट की सलाह पर ही इनका सेवन करें।

नींबू पानी: नींबू पानी में विटामिन-सी मौजूद होता है, जो बॉडी में इलेक्ट्रोलाइट लेवल बढ़ाने में मदद करता है। नींबू पानी में थोड़ा-सा शहद और चुटकी भर नमक

मिला लेने से यह एक बेहतरीन प्री-वर्कआउट ड्रिंक बन जाता है, जो शरीर को डिटॉक्स और हाइड्रेट करता है और वर्कआउट के लिए जरूरी एनर्जी भी देता है।

नारियल पानी: बॉडी में एनर्जी लेवल नेचुरली बढ़ाने के लिए नारियल पानी सबसे अच्छा माना जाता है, इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स की उच्च मात्रा, सोडियम और मैग्नीशियम होता है, साथ ही इसमें मौजूद नेचुरल शुगर शरीर में एनर्जी के लेवल को मेंटेन रखती है। इलेक्ट्रोलाइट्स का यह नेचुरल सोर्स शरीर में हाइड्रेशन और एनर्जी को बनाए रखता है, जिससे वर्कआउट करने में आसानी होती है।

गोंद कतीरा ड्रिंक: इस मौसम में बॉडी को हाइड्रेट रखने के लिए गोंद कतीरा को भी प्री-वर्कआउट ड्रिंक के रूप में लिया जा सकता है। यह पानी ज्यादा सोखता है इसलिए इसके सेवन से बॉडी हाइड्रेट रहती है, कूलिंग इफेक्ट मिलता है। इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट से बॉडी में एनर्जी मेंटेन रहती है और इसमें मौजूद फाइबर डाइजेशन ठीक रखने में भी मदद करता है। पानी में भिगो सीड्स, नींबू और गोंद कतीरा डालकर हेल्दी ड्रिंक बनाया जा सकता है।

सत्तू शरबत: प्रोटीन इनटेक बढ़ाने के लिए सत्तू का शरबत एक बेहतरीन प्री-वर्कआउट ड्रिंक ऑप्शन है। इसके सेवन से बॉडी हाइड्रेटेड रहती है और वर्कआउट के बाद कमजोरी महसूस नहीं होती है।

बेल का शरबत: उमस भरी गर्मी के लिए बेल का शरबत एक सुपरड्रिंक है। यह शरीर को ठंडक देने के साथ डिहाइड्रेशन से बचाता है। बेल के शरबत में मौजूद नेचुरल शुगर तुरंत एनर्जी देती है और वर्कआउट से पहले इसे पीने से डाइजेशन भी सही रहता है।

ग्रीन टी: ग्रीन टी एक बेहद हेल्दी और लो कैलोरी प्री-वर्कआउट ड्रिंक है। ग्रीन टी, कैफीन और एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा

सोर्स होती है, जो वर्कआउट के दौरान एनर्जी बढ़ाने और फोकस करने में मदद करती है।

तरबूज का जूस: तरबूज का जूस प्री-वर्कआउट के लिए एक टेस्टी और हेल्दी ऑप्शन है। तरबूज में 90 प्रतिशत से अधिक पानी होता है और इसका जूस पीने से शरीर तुरंत हाइड्रेट हो जाता है और इसमें मौजूद लाइकोपीन, विटामिन ए और सी शरीर को एनर्जी देते हैं। *

(जिम इंस्ट्रक्टर राहुल चौहान से बातचीत पर आधारित)

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. लोकेश महाजन
वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ
मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल, फरीदाबाद

हाल ही में भारत सरकार ने ड्रग्स रूल्स 1945 में संशोधन करते हुए ड्रग्स रूल्स 2026 लागू किया है। जिसके तहत देश भर में अब किसी भी मेडिकल स्टोर पर सिरप आधारित दवाओं (विशेषकर कफ सिरप) की ओवर-द-काउंटर बिक्री को निषेध किया गया है। यानी डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना कोई भी सिरप दवाई नहीं मिलेगी। केंद्र सरकार ने यह फैसला मूलतया नकली या कहें मिलावटी कफ सिरप पीने से होने वाली मौतों के आधार पर लिया है। लोगों की जान बचाने और दवाओं के सुरक्षित इस्तेमाल के लिए सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम सराहनीय है।

दूषित सिरप से बच्चों की मौतें

पिछले कुछ वर्षों में भारत और अन्य देशों में ऐसे कई मामले सामने आए, जिनमें कुछ कफ सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल और इथाइलीन ग्लाइकॉल जैसे जहरीले रसायन पाए गए। इनसे बच्चों में किडनी फेल होने और मृत्यु तक की कुछ घटनाएं सामने आईं। ऐसे में हम सभी अगर जरूरी सावधानियां बरतें तो दवाओं से होने वाले नुकसान से काफी हद तक बचे रह सकते हैं।

गाइडलाइन का क्या है उद्देश्य

लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही सरकार ने सभी सिरपों पर प्रतिबंध नहीं लगाया है, केवल उनकी बिक्री को डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन से जोड़ दिया है ताकि उनका सुरक्षित उपयोग हो सके। सरकार की हाल में दी गई नई गाइडलाइन के पीछे पांच बड़े उद्देश्य बताए जा रहे हैं।

- दूषित सिरप से होने वाली मौतों की रोकथाम।
- बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो।
- सेल्फ-मेडिकेशन या मेडिकल स्टोर जाकर स्वयं दवा लेने की आदत कम करना।
- सिरप के दुरुपयोग को रोकना और नशे की समस्या पर नियंत्रण करना।
- दवाओं की गुणवत्ता तथा उसके सही वितरण व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखना।

कफ सिरप तब होता है हार्मफुल

विशेषज्ञ मानते हैं कि शरीर की खांसी एक प्राकृतिक रक्षा प्रणाली भी है। इसलिए बार-बार कफ सिरप पीना, खुराक बढ़ा देना या कई कफ सिरप एक साथ लेना नुकसानदायक हो सकता है। सिरप अलग-अलग तरह के कंसंट्रेशन और डोज के साथ आते हैं। इन्हें लंबे समय तक, गलत तरीके से (जैसे-छोटे-बड़े सबको एक समान), ज्यादा मात्रा में या डॉक्टर की सलाह के बिना लिया जाए, तो कई साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। यहां तक कि व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। हाल के वर्षों में जिन सिरपों ने सबसे अधिक चिंता पैदा की, उनमें डाइएथिलीन ग्लाइकॉल, एथिलीन ग्लाइकॉल जैसे विषैले घटक पाए गए हैं। जिनसे किडनी-लिवर फेलियर, ब्लड प्रेशर-हार्ट रेट बढ़ना, मस्तिष्क को नुकसान, दौरे पड़ना, मृत्यु तक हो सकती है। कुछ कफ सिरप में कोडीन नामक दवा होती है। यह खांसी को दबाने में मदद करती है, लेकिन अधिक मात्रा में लेने पर नशे जैसी स्थिति पैदा कर सकती है। अत्यधिक नींद और सुस्ती आ सकती है। सांस लेने की गति धीमी हो सकती है। व्यक्ति को इसकी लत लग सकती है।

डेक्स्ट्रोमेथॉर्फन नामक रासायनिक घटक भी कई कफ सिरप में पाया जाता है। इसे अधिक मात्रा में लेने पर चक्कर आना, कंफ्यूजन होना, व्यवहार में बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा क्लोरफेनिरामाइन, डाइफेनहाइड्रामाइन एंटीहिस्टामिन जैसी दवाएं एलर्जी और खांसी के उपचार में दी जाती हैं। इनसे अधिक नींद, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, कंफ्यूजन जैसी स्थिति पैदा कर सकती हैं। स्वाद बढ़ाने के लिए कई सिरपों में काफी मात्रा में चीनी मिलाई जाती है। इससे मधुमेह रोगियों को परेशानी हो सकती है। बच्चों में दांतों की समस्याएं बढ़ सकती हैं।

किन्हें है ज्यादा खतरा

डॉक्टर की सलाह के बिना कफ सिरप लेने के दुष्प्रभावों का जोखिम मूलतया कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों पर अधिक होता है जैसे छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, अस्थमा रोगी, किडनी, लिवर या गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्ति। इसलिए ऐसे लोग पूरी सावधानी बरतें।

वैसे तो कोई भी दवा बिना डॉक्टर की सलाह के नहीं लेनी चाहिए। लेकिन कफ सिरप को लेकर और सावधानी बरतने की जरूरत होती है। खासतौर पर बच्चों को कफ सिरप का सेवन डॉक्टर के निर्देशानुसार ही कराना चाहिए। कफ सिरप कब हार्मफुल हो सकता है, इसका सेवन करते समय किन बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए, यहां डिटेल में बताया जा रहा है।

डॉक्टर की सलाह के बिना ना करें कफ सिरप का सेवन

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

कफ सिरप का सेवन करने से पहले कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें।

- खांसी के कारण का पता लगाएं। किसी भी सिरप को सुरक्षित या सामान्य मानकर बार-बार न लें। खांसी शरीर का एक संकेत है, बीमारी नहीं। इसलिए केवल खांसी दबाने के बजाय उसके कारण का पता लगाकर उपचार कराना अधिक महत्वपूर्ण है।
- यदि आप पहले से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, किडनी, लिवर या हृदय रोग की दवाएं ले रहे हैं, तो डॉक्टर को इसकी जानकारी दें। कुछ सिरप अन्य दवाओं के साथ प्रतिक्रिया कर सकते हैं।
- डॉक्टर की सलाह के बिना कोई कफ सिरप न लें। खांसी-जुकाम या गले की खराश होने पर हर बार सिरप लेना जरूरी नहीं होता। खांसी कई बार एलर्जी, अस्थमा, टीबी, निमोनिया, एसिडिटी या किसी अन्य बीमारी का लक्षण भी हो सकती है। इसलिए बगैर जांच कराए बार-बार स्वयं दवा लेने से बचें।
- गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी सिरप नहीं लेना चाहिए।
- बुजुर्गों में किडनी और लिवर की कार्यक्षमता कम हो सकती है। इसलिए दवा का प्रभाव अधिक हो सकता है। उन्हें डॉक्टर द्वारा निर्धारित की गई मात्रा में ही किसी भी तरह के सिरप का सेवन करना चाहिए।
- सिरप ही नहीं कोई भी दवा खरीदते समय उसकी एक्सपायरी डेट, बैच नंबर और निर्माता कंपनी की जानकारी अवश्य जांचें। एक्सपायर सिरप का उपयोग न करें। बोतल की सील टूटी हुई न हो और पैकिंग सही अवस्था में हो। यदि सिरप का रंग, गंध या स्वाद असामान्य लगे। तो उसका उपयोग न करें।
- निर्धारित मात्रा से अधिक किसी दवा का सेवन कभी न करें। कुछ लोग यह सोचकर अधिक मात्रा में सिरप पी लेते हैं कि जल्दी आराम मिलेगा। ऐसा करना खतरनाक हो सकता है और दुष्प्रभावों का जोखिम बढ़ा सकता है।
- बच्चों को विशेष सावधानी से दवा दें। बच्चों के लिए दवा की मात्रा उम्र और वजन के अनुसार तय होती है। कभी भी बड़े लोगों वाली दवा बच्चों को न दें और न ही अनुमान से खुराक तय करें।

- कोई भी सिरप पिलाने के लिए मापने वाले सही चम्मच या कप का ही उपयोग करें। कई लोग घर के सामान्य चम्मच से सिरप पी लेते हैं। इससे दवा की मात्रा कम या अधिक हो सकती है। हमेशा दवा के साथ मिलने वाले मापने वाले कप, ड्रॉपर या माप वाले चम्मच का ही उपयोग करें।
- किसी दूसरे व्यक्ति के लिए लिखी गई दवा स्वयं न लें और इसी तरह अपनी दवा किसी अन्य को रोगी को न दें। एक जैसी खांसी होने पर भी कारण अलग-अलग हो सकते हैं।
- यदि सिरप लेने के बाद अत्यधिक नींद, चक्कर, सांस लेने में कठिनाई, त्वचा पर चकत्ते, सूजन या अन्य असामान्य लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

खतरनाक है सेल्फ मेडिकेशन

कई लोग खांसी-जुकाम या बुखार होने पर बिना डॉक्टर से सलाह लिए सीधे मेडिकल स्टोर से सिरप खरीद लेते हैं। कई बार बीमारी का सही कारण जाने बिना दवा लेने से समस्या बढ़ सकती है। वास्तव में सेल्फ मेडिकेशन बहुत खतरनाक हो सकता है, इसलिए इससे बचा जाना जरूरी है। कुछ सिरप में ऐसे घटक होते हैं, जो अधिक मात्रा में लेने पर नशे जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। इसलिए इनके दुरुपयोग और लत की आशंका भी रहती है।

हेल्थ अवेयरनेस
शिखर चंद जैन

हमारे शरीर की कोशिकाओं में उपस्थित जीन में हमारे वर्तमान और भावी स्वास्थ्य की पिक्चर कोड के रूप में मौजूद रहती है। आने वाले समय में जीन मैपिंग और एडिटिंग के जरिए अनेक बीमारियों का पूर्वानुमान लगाकर उसको पनपने से भी रोका जा सकेगा।

जीन तय करते हैं कैसा होगा स्वास्थ्य

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने आज उस रहस्यमयी चाबी को खोज लिया है, जो हमारे स्वास्थ्य और आयु के छिपे रहस्यों के राज खोल सकती है। ये चाबी और कुछ नहीं हमारे 'जीन' हैं। हमारी जीन कुंडली में हमारे जीवन का इतिहास, वर्तमान और भविष्य लिखा है। विज्ञान की भाषा में इसे 'जेनेटिक ब्लूप्रिंट' कहा जाता है, जो न केवल हमारी शारीरिक बनावट तय करता है, बल्कि यह भी निर्धारित करता है कि हम कितने साल जिएंगे और किन बीमारियों के प्रति संवेदनशील होंगे।

क्या है जेनेटिक कुंडली: चिकित्सा विज्ञान में जीनोम सीक्वेंसिंग के जरिए व्यक्ति की सेहत की सटीक 'कुंडली' तैयार की जा सकती है। हमारे शरीर में बड़ी संख्या में जीन होते हैं। ये जीन डीएनए के बने होते हैं, जो प्रोटीन बनाने के निर्देश देते हैं। ये प्रोटीन ही तय करते हैं कि हमारी मांसपेशियां कितनी मजबूत होंगी, हमारा मेटाबॉलिज्म कैसा होगा और हमारा इम्यून सिस्टम कितना प्रभावी होगा।

जीन से आयु का निर्धारण: वैज्ञानिकों का मानना है कि मनुष्य की औसत आयु का लगभग 20 से 30 प्रतिशत हिस्सा उसके आनुवंशिक गुणों पर निर्भर करता है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि जो लोग 100 वर्ष से अधिक जीवित रहते हैं, उनमें अक्सर 'फॉक्सो-3' नामक जीन का एक विशेष प्रकार पाया जाता है। इसे 'दीर्घायु जीन' भी कहा जाता है। यह जीन कोशिकाओं की मरम्मत करने और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही हमारे क्रोमोसोम के सिरों पर 'टेलोमेयर्स' नामक सुरक्षा कवच होते हैं। टेलोमेयर्स का सीधा संबंध इस बात से है कि आपका शरीर कितनी तेजी से 'बूढ़ा' हो रहा है। इसकी प्रक्रिया कुछ इस तरह काम करती है, हमारा शरीर लगातार पुरानी कोशिकाओं को हटाकर नई कोशिकाएं बनाता रहता है। जब भी एक कोशिका दो भागों में बंटती है, तो उसके टेलोमेयर्स थोड़े छोटे हो जाते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, टेलोमेयर्स इतने छोटे हो जाते हैं कि कोशिकाएं अब और विभाजित नहीं हो पातीं। यहीं से बुढ़ापा शुरू होता है। अंग कमजोर होने लगते हैं और इम्यून सिस्टम थक जाता है। जिनके टेलोमेयर्स धीरे-धीरे छोटे होते हैं या लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं, वे लोग आमतौर पर ज्यादा समय तक जवान और स्वस्थ रहते हैं।

तब देर से आएगा बुढ़ापा

टेलोमेयर्स जब देर से यानी धीमी गति से कमजोर-छोटे होते हैं तो बुढ़ापा भी देर से आता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, कुछ आदतें टेलोमेयर्स को तेजी से घिसने (छोटा होने) पर मजबूर करती हैं, जबकि कुछ आदतें उन्हें सुरक्षित रखती हैं। अत्यधिक मानसिक तनाव, सिगरेट और शराब का सेवन, बहुत ज्यादा चीनी और जंक फूड का सेवन, प्रदूषणयुक्त माहौल में रहने और सुस्त जीवनशैली से बचें। अनुशासित जीवनशैली अपनाएं और पौष्टिक भोजन करें।

मिलते हैं बीमारियों के पूर्व संकेत: जेनेटिक मैपिंग का सबसे बड़ा लाभ बीमारियों के जोखिम को पहले से पता लगाना होता है।

क्योर से प्रिवेंशन तक: आने वाले 10-20 वर्षों में, स्वास्थ्य देखभाल का केंद्र अस्पताल नहीं, बल्कि हमारा अपना डेटा होगा। जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए भविष्य में दोषपूर्ण जीन को गर्भ में ही ठीक करना संभव हो सकता है। हम एक ऐसे युग की ओर बढ़ रहे हैं, जहां बीमारी होने का इंतजार नहीं किया जाएगा, बल्कि उसे होने से पहले ही रोक दिया जाएगा।

कैंसर की पहचान: 'बीआरसीए-1 और बीआरसीए-2' जैसे जीन में म्यूटेशन स्तन और डिंबग्रंथि के कैंसर के उच्च जोखिम का संकेत देते हैं।

हृदय रोग और मधुमेह: यदि किसी के जीन में कोलेस्ट्रॉल प्रबंधन की क्षमता कम है, तो उसे कम उम्र में ही दिल के दौरे का खतरा हो सकता है, भले ही वह बाहर से फिट दिखे।

अल्जाइमर और पार्किंसंस: मस्तिष्क से जुड़ी इन जटिल बीमारियों के संकेतों को भी जेनेटिक टेस्टिंग के जरिए दशकों पहले पहचाना जा सकता है।

पर्सनलाइज्ड मेडिसिन: मौजूदा दौर में चिकित्सा पद्धति 'ट्रायल और एरर' पर आधारित है, यानी एक ही दवा सबको दी जाती है लेकिन फार्माकोजेनोमिक्स ने इसे बदल दिया है। जीन यह तय करते हैं कि आपका शरीर किसी दवा को कैसे प्रोसेस करेगा। कुछ लोगों पर एक विशेष दवा बहुत अच्छा असर करती है, जबकि दूसरों पर उसका कोई प्रभाव नहीं होता या साइड इफेक्ट हो जाते हैं। जेनेटिक प्रोफाइलिंग से डॉक्टर अब यह जान सकते हैं कि आपके लिए कौन-सी दवा और कितनी डोज सही रहेगी।

एपिजेनेटिक्स: सटीक सुझाव का वैज्ञानिक आधार एपिजेनेटिक्स वह विज्ञान है जो बताता है कि हमारे पर्यावरण और आदतों के कारण जीन कैसे 'ऑन' या 'ऑफ' होते हैं। मान लीजिए आपके जीन में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम लिखा है। लेकिन यदि आप सही खान-पान और नियमित व्यायाम अपनाते हैं, तो आप उस 'खराब जीन' को सुप्त रख सकते हैं। अत्यधिक तनाव और खराब पर्यावरण हमारे अच्छे जीन को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

कैसे होता है जेनेटिक टेस्ट: जेनेटिक टेस्ट चार चरणों में पूरा होता है। पहले लार या खून का एक छोटा नमूना लिया जाता है। फिर लैब में कोशिकाओं से डीएनए को अलग किया जाता है। इसके बाद मशीनों के जरिए डीएनए के कोड्स को पढ़ा जाता है। अंत में विशेषज्ञ आपके डेटा की तुलना 'नॉर्मल डेटा' से करते हैं और बताते हैं कि आपके जीन में कहां गड़बड़ी या जोखिम है। जेनेटिक रिपोर्ट को कभी भी अंतिम फैसला न मानें। यह केवल 'जोखिम' बताती है। रिपोर्ट आने के बाद हमेशा एक योग्य जेनेटिक काउंसलर या डॉक्टर से सलाह लें। *

हरित भविष्य के लिए हर व्यक्ति लगाए एक पौधा, उसका संरक्षण भी करे-कुलपति

-रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में वन महोत्सव-2026 का शुभारंभ

-सहजन का पौधा रोपकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के तत्वावधान में 1 से 7 जुलाई 2026 तक आयोजित वन महोत्सव-2026 का शुभारंभ आज बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने सहजन (मोरिंगा) का पौधा रोपकर किया।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान तथा प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव आज पूरी मानवता के सामने गंभीर चुनौती है। इन चुनौतियों का प्रभावी समाधान व्यापक वृक्षारोपण, पौधों के संरक्षण तथा जनसहभागिता से ही संभव है। उन्होंने कहा कि 'सिर्फ पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और संवर्धन भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।' उन्होंने विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्रत्येक वर्ष कम-से-कम एक पौधा लगाने और उसे वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखने का आह्वान किया। उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि वन महोत्सव सप्ताह के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार, विभिन्न शैक्षणिक भवनों, छात्रावासों, अनुसंधान प्रक्षेत्रों, प्रायोगिक फार्मों, सड़क किनारे उपलब्ध रिक्त स्थलों, उद्यानों तथा जल संरक्षण क्षेत्रों में सहजन सहित छायादार, फलदार एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों का रोपण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पौधों की नियमित सिंचाई, देखभाल एवं संरक्षण की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी, इससे अधिकतम पौध जीवित रह सकें। उन्होंने बताया कि वन महोत्सव सप्ताह के दौरान वृक्षारोपण के साथ पर्यावरण जागरूकता अभियान, पौध संरक्षण गतिविधियां, स्वच्छता अभियान, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों की सहभागिता से जनजागरूकता कार्यक्रम तथा प्रकृति संरक्षण विषयक विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना तथा हरित एवं स्वच्छ भारत के निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाना है। आज शुभारंभ अवसर पर निदेशक शोध डॉ. एसके चतुर्वेदी, निदेशक शिक्षा डॉ. अनिल कुमार, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के सह-अधिष्ठाता डॉ. एमजे डोबरियाल, डॉ. गौरव शर्मा, डॉ. राम प्रकाश यादव, डॉ. प्रभात तिवारी सहित वैज्ञानिक, शिक्षक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा हरित परिसर के निर्माण का संकल्प लिया।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने यह संदेश दिया कि 'आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित, स्वस्थ और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है।'

आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के शत-प्रतिशत निस्तारण में परिक्षेत्रों की रैंकिंग में झांसी रेंज ने लगातार 06वीं बार प्राप्त किया प्रथम स्थान

- जनपद झाँसी एवं जनपद जालौन लगातार 06वीं तथा जनपद ललितपुर ने भी माह जून में प्राप्त किया प्रथम स्थान
- रेंज के जनपद प्रभारी प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों गुणवत्तापूर्ण / समयबद्ध कराएं विधिक निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। मुख्यमंत्री उ0प्र0 शासन द्वारा संचालित जनसुनवाई समन्वय शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) में माह जून ,2026 की मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट प्राप्त होने पर श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक झांसी परिक्षेत्र, झांसी श्री आकाश कुलहरि महोदय के कुशल निर्देशन में आईजीआरएस / समाधान पोर्टल पर माह जून, 2026 में जो शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये उनका शासन की मंशानुरूप नियत समय में विधिक निस्तारण किया गया जिससे (आईजीआरएस) पोर्टल पर प्राप्त होने वाली माह- जून 2026 मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश के परिक्षेत्रों की रैकिंग में झांसी परिक्षेत्र ने वर्ष 2026 में लगातार 06वीं बार प्रथम रैंक प्राप्त की है साथ ही रेंज के समस्त जनपदों ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया है जिसकी आईजी महोदय द्वारा सराहना कर उत्साहवर्धन किया गया।

आई.जी. महोदय द्वारा प्रभारी आई.जी.आर.एस./ सीसीटीएनएस उ0नि0 श्री राजेश सिंह, रेंज कोर्डिनेटर श्री विमल कुमार श्रीवास्तव, मु0आ0 श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं श्रीमती प्रियंका गुप्ता कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए को उत्साहवर्धन हेतु नकद पुरुष्कार से पुरुष्कृत किया गया है। महोदय द्वारा परिक्षेत्र के जनपद प्रभारियों को (आईजीआरएस) प्रणाली से प्राप्त शिकायतों का उच्चकोटि की गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने एवं जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गम्भीरता से सुनकर शासन के मंशानुरूप पूर्ण मनोयोग से उनकी समस्याओं के विधिक निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया है जिससे आमजनमानस में पुलिस की उत्कृष्ट छवि, निष्पक्ष कार्यप्रणाली एवं विश्वसनीयता की भावना बरकरार रहे एवं शिकायतों में निरन्तर कमी हो।

रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में सजी डीडी किसान की 'किसान चौपाल'

-किसानों, वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के बीच हुआ सीधा संवाद, 3 जुलाई को सुबह 9 बजे होगा दूरदर्शन किसान चैनल पर प्रसारण

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की इकाई दूरदर्शन किसान (डीडी किसान) द्वारा 'किसान चौपाल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिल्ली से पहुंचे डीडी किसान के वरिष्ठ प्रोड्यूसर अतनु टिकैत अपनी प्रोडक्शन टीम के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों के साथ संवाद आधारित चौपाल का संचालन किया।

कार्यक्रम का प्रसारण शुक्रवार 3 जुलाई, 2026 को प्रात: 9:00 बजे डीडी किसान चैनल पर किया जाएगा। किसान चौपाल का उद्देश्य किसानों, कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विशेषज्ञों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर आधुनिक खेती, प्राकृतिक कृषि, फसल विविधीकरण, कृषि नवाचार तथा किसानों की समस्याओं पर सार्थक चर्चा करना था। कार्यक्रम में झांसी जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रगतिशील किसानों, प्राकृतिक खेती करने वाले कृषकों, विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्षों, कृषि वैज्ञानिकों तथा निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुशील कुमार सिंह ने सक्रिय सहभागिता की। चर्चा के दौरान किसानों ने अपने अनुभव, नवाचार एवं खेती से जुड़ी समस्याएं साझा कीं। वहीं विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों एवं विभागाध्यक्षों ने आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण, उन्नत कृषि पद्धतियों तथा वैज्ञानिक खेती के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। किसानों ने विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन एवं एंकरिंग डीडी किसान के वरिष्ठ प्रोड्यूसर अतनु टिकैत ने किया। उन्होंने किसानों और कृषि विशेषज्ञों के बीच रोचक एवं उपयोगी संवाद स्थापित कर कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक बनाया। विश्वविद्यालय में आयोजित यह किसान चौपाल कृषि ज्ञान के प्रसार, वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने तथा किसानों को आधुनिक एवं टिकाऊ खेती के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

पुरानी रंजिश को चलते दबंगों ने बाइक सवार महिला को मारी गोली

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। पति के साथ बाइक पर अपने मायके कर्वी जा रही थी महिला,
रास्ता में रोककर बेख़ौफ़ दबंगों ने महिला पर झोंका फायर,
पैर में गोली लगने से गंभीर रूप घायल हुई महिला,
गंभीर हालत में जिला अस्पताल से महिला को मेडिकल कॉलेज किया गया रेफर,
पूर्व में हुए विवाद पर कार्यवाही न होने से दबंगों के हौसले बुलंद,
महिला के आरोपों पर गहनता से जांच कर रही स्थानीय पुलिस,
कमासिन थाना इलाके के इटर्रा बड़ौनी गांव का मामला

अवैध तमंचे के साथ भ्रमण कर रहे अभियुक्त को थाना मटौंध पुलिस द्वारा किया गया गिरफ्तार

अभियुक्त के कब्जे से अवैध तमंचा व जिन्दा कारतूस बरामद

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। विवरण- पुलिस अधीक्षक बांदा श्री पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा अवैध शस्त्रों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना मटौंध पुलिस द्वारा अवैध तमंचे के साथ भ्रमण कर रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है, अभियुक्त के कब्जे से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद हुआ है । गौरतलब हो कि दिनांक 29/30.06.2026 की रात्रि थाना मटौंध पुलिस को रात्रि गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग दौरान दुरेड़ी बाइपास तिराहे के पास एक व्यक्ति संदिग्ध रुप से घूमता हुआ दिखाई दिया । पुलिस द्वारा उससे पूछताछ करते हुए तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से अवैध तमंचा व जिन्दा कारतूस बरामद हुए । जिसके सम्बन्ध में थाना मटौंध पर अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर सम्बन्धित मा0 न्यायालय भेजा गया ।

बरामदगी-
01 अवैध तमंचा 12 बोर
01 जिन्दा कारतूस 12 बोर
गिरफ्तार अभियुक्त-
1.बिन्देश्वरी पुत्र कलुवा निवासी दुरेडी थाना मटौंध जनपद बांदा ।
पंजीकृत अभियोग-
1- मु0अ0सं0- 128/26 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना मटौंध जनपद बांदा ।
गिरफ्तारी करने वाली टीम-
1.श्री अरविन्द कुमार चौकी प्रभारी भूरागढ़
2.कां0 अनुज यादव
3.कां0 दिनेश यादव
4.रि0कां0 अमित प्रजापति

पुजारी के हत्यारोपी को नहीं मिली जमानत

झांसी। बरुआ सागर में सात माह पूर्व पुजारी की माइक सर में मारकर हत्या करने वाले आरोपी को न्यायालय विशेष न्यायाधीश शिव कुमार तिवारी ने जमानत देने से इनकार करते हुए उसका जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया है।

अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे शासकीय अधिवक्ता देवेश श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 दिसंबर 2025 को बरुआ सागर निवासी विशाल कुशवाह जो मशिल माता मंदिर पर पूजा अर्चना करता है, वह मंदिर की साफ सफाई कर रहा था। तभी पुरानी रंजिश को लेकर बाला राम उर्फ बाला विशाल से गाली गलौज करने लगा ओर उसके सर में लोहे का माइक मारकर उसे गंभीर चोट पहुंचा दी ओर भाग गए। इस घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल विशाल को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी बाला राम उर्फ बाला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आज आरोपी की ओर से न्यायालय में जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। जिसकी सुनवाई के बाद न्यायालय ने हत्यारोपी को जमानत देने से इंकार करते हुए उसका जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया है।

प्रथम दिवस नगर के 20 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित हुई उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी)

झांसी। आज नोडल अधिकारी/अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल एवं पुलिस अधीक्षक नगर श्रीमती प्रीति सिंह ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) परीक्षा-2026 की प्रथम दिवस की लिखित परीक्षा नगर के 20 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में पूर्वाहन 09.30 से 12.00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 02.30 से 05.00 बजे तक आयोजित होने वाली परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं सुचिता से संपन्न कराए जाने हेतु परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अपर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक नगर ने संयुक्त रुप से नकल विहीन,सुचिता और शान्तिपूर्ण तरीके से परीक्षा को सम्पन्न कराये जाने हेतु एसबीआई इंटरकॉम कालेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया, यूपीटीईटी परीक्षा में डुप्लीकेट परीक्षार्थी किसी भी दशा में शामिल न हो, इसे सुनिश्चित करने के लिए कक्ष निरीक्षक को एडमिशन कार्ड की गंभीरता से जांचा गया। उन्होने परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त पुलिस व्यवस्था के अतिरिक्त पेयजल, विद्युत आपूर्ति भी सुनिश्चित किए जाने की जानकारी ली। परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए अपर जिलाधिकारी ने फ्रिस्किंग के साथ ही उनके सामान को सुरक्षित रखे जाने की व्यवस्था को देखा। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में कोई भी परीक्षार्थी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लेकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश न करें, इसकी सावधानीपूर्वक जांच की जाए। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) -2026 प्रवेश परीक्षा नगर के 20 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में संपन्न हुई। प्रथम पाली 20 परीक्षा केंद्रों पर पूर्वाहन 09.30 से 12.00 बजे तक एवं द्वितीय पाली 20 परीक्षा केंद्रों पर अपराहन 02.30 से 05.00 बजे तक संपन्न हुई। प्रथम पाली में परीक्षा केंद्रों पर 7445 पंजीकृत थे परंतु 5795 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और कुल 1650 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे , इसके साथ ही द्वितीय पाली में 7445 परीक्षार्थी लिखित परीक्षा में पंजीकृत थे परंतु 5842 परीक्षार्थी उपस्थित हुए तथा 1603 परीक्षाथी परीक्षा में अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया परीक्षा केंद्र पर पूर्ण शांति और सूचिता से संपन्न कराए जाने के लिए 20 केंद्र व्यवस्थापकों को तैनात किए, इसके अतिरिक्त 20 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 20 विभागीय परीक्षकों को लगाया गया। परीक्षा नकल विहीन कराने के लिए लगातार परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया गया। परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के दौरान उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज द्वारा नामित प्रेक्षक सहित नोडल अधिकारी अपर जिला अधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल, एसपी सिटी श्रीमती प्रीति सिंह सहित परीक्षा केंद्रों के प्रधानाचार्य, केंद्र व्यवस्थापक आदि उपस्थित रहे।

अपर आयुक्त न्यायिक संभालेंगी अपर आयुक्त प्रशासन पद के न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्यों का दायित्व

झांसी। मण्डलायुक्त बिमल कुमार दुबे ने अवगत कराया है कि अपर आयुक्त (प्रशासन) दिनांक 30 जून 2026 को अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने के फलस्वरूप पद रिक्त हो गया है। शासन द्वारा नियमित तैनाती होने तक अपर आयुक्त (प्रशासन) के पद का कार्यभार श्रीमती प्रियंका, अपर आयुक्त न्यायिक को सौंपा गया है। मण्डलायुक्त ने बताया कि अपर आयुक्त न्यायिक श्रीमती प्रियंका अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ अपर आयुक्त (प्रशासन) पद के समस्त न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्यों का भी निर्वहन करेंगी, यह व्यवस्था शासन द्वारा नियमित नियुक्ति होने तक प्रभावी रहेगी।

13 हजार पंचायत सचिवों की होगी भर्ती, हर गांव में सेक्रेटरी तैनात करने की तैयारी

(यंग भारत न्यूज)

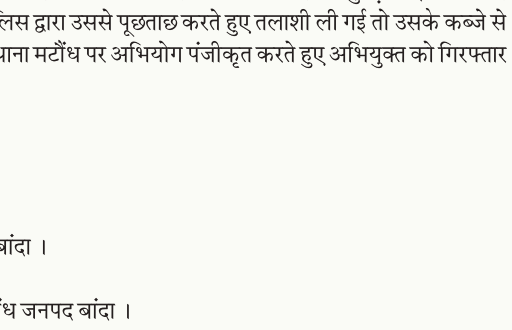

लखनऊ। प्रदेश में ग्राम पंचायतों को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में योगी सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रदेश सरकार ने करीब 13 हजार पंचायत सचिवों की भर्ती करने की योजना तैयार की है।

वर्तमान स्थिति की बात करें तो उत्तर प्रदेश में करीब 58 हजार ग्राम पंचायतें हैं। इनमें से लगभग 42 हजार ग्राम पंचायतों में पंचायत सचिवों के पद रिक्त बताए जा रहे हैं। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत में सचिव की उपलब्धता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक कार्यों की गति बढ़ने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक अधिक प्रभावी तरीके से पहुंच सकेगा। यही वजह है कि वर्तमान में कई पंचायत सचिवों और ग्राम विकास अधिकारियों के पास एक से अधिक ग्राम पंचायतों का अतिरिक्त प्रभार है। इससे ग्रामीण स्तर पर प्रशासनिक कार्य प्रभावित होते हैं और लोगों को समय पर सेवाएं नहीं मिल पातीं। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में कुल 13,116 पंचायत सचिवों के पदों पर भर्ती की जाएगी। पंचायतीराज विभाग इस भर्ती को तीन चरणों में पूरा करेगा। पहले चरण में लगभग 4,372 पंचायत सचिवों की नियुक्ति की जाएगी। इसके बाद दो अन्य चरणों में भी लगभग समान संख्या में पदों को भरा जाएगा। भर्ती पूरी होने के बाद ग्राम पंचायतों के कामकाज में सुधार आने की उम्मीद जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि पंचायतीराज विभाग, ग्राम्य विकास विभाग और अन्य संबंधित विभागों की सहमति के बाद इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाया गया है। सरकार का मानना है कि पंचायत सचिवों की संख्या बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की निगरानी बेहतर होगी। साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंच सकेगा। ग्रामीणों की शिकायतों का निस्तारण पंचायत स्तर पर ही हो सकेगा और विकास से जुड़े कई कार्यों में तेजी आएगी। सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक पंचायत सचिव की तैनाती हो, जिससे ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए जिला मुख्यालय या ब्लॉक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। प्रदेश सरकार की योजना के अनुसार पंचायत सचिव ग्रामीणों और पंचायत के बीच महत्वपूर्ण कड़ी की भूमिका निभाएंगे। वे सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, अभिलेखों के रखरखाव, शिकायतों के निस्तारण और पंचायत प्रशासन को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग करेंगे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718